RNI No.: UPHIN/25/A1697

GARVI GUJARAT

गरवी गुजरात

गरवी गुजरात

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 324
दि. 28.03.2026,
शनिवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

प्रधानमंत्री ने पश्चिम एशिया संकट की उभरती स्थिति के मद्देनजर तैयारियों की समीक्षा के लिए मुख्यमंत्रियों के साथ बैठक की अध्यक्षता की

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने हाल के पश्चिम एशिया घटनाक्रम और भारत पर उसके संभावित प्रभाव के संदर्भ में तैयारियों की समीक्षा के लिए आज राज्यों के मुख्यमंत्रियों और उप राज्यपालों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से एक बैठक की अध्यक्षता की।

प्रधानमंत्री ने सभी मुख्यमंत्रियों द्वारा दिए गए अहम सुझावों की सराहना करते हुए कहा कि ये सुझाव उभरती स्थिति का प्रभावी ढंग से प्रबंधन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने भावी चुनौतियों से निपटने के लिए सतर्कता, तैयारियों और समन्वित कार्रवाई की आवश्यकता पर जोर दिया।

पश्चिम एशिया की मौजूदा स्थिति का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत के पास इस तरह के वैश्विक व्यवधान से निपटने का पहले का अनुभव है। उन्होंने कोविड-19 महामारी के दौरान किए गए सामूहिक प्रयासों को याद किया, जब केंद्र और राज्यों ने 'टीम इंडिया' के रूप में मिलकर आपूर्ति श्रृंखलाओं, व्यापार और दैनिक जीवन पर प्रभाव को कम करने के लिए काम किया। उन्होंने इस बात को रेखांकित किया कि यही सहयोग और समन्वय की भावना वर्तमान परिस्थितियों से निपटने में भारत की सबसे बड़ी ताकत है।

प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि हालात लगातार बदल रहे है, जिसके लिए निरंतर निगरानी और अनुकूल रणनीतियों की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि 3 मार्च से एक अंतर-मंत्रालयी समूह सक्रिय है, जो दैनिक आधार पर स्थिति की समीक्षा कर रहा है और समय पर निर्णय ले रहा है। उन्होंने जोर दिया कि सरकार की प्राथमिकता आर्थिक और व्यापारिक स्थिरता बनाए रखना, ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करना, नागरिकों के हितों की रक्षा करना और उद्योग एवं आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूती प्रदान करना है।

राज्यों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि

निर्णयों का प्रभावी कार्यान्वयन राज्य स्तर पर ही होता है। उन्होंने त्वरित और सुव्यवस्थित प्रतिक्रिया के लिए केंद्र और राज्यों के बीच निरंतर संवाद और समन्वय, समय पर जानकारी साझा करने और संयुक्त निर्णय लेने की आवश्यकता पर जोर दिया।

प्रधानमंत्री ने राज्यों से आपूर्ति श्रृंखलाओं का सुचारु संचालन सुनिश्चित करने तथा जमाखोरी व मुनाफाखोरी के खिलाफ कड़े कदम उठाने का आग्रह किया। उन्होंने व्यवधानों को रोकने के लिए राज्य और जिला स्तर पर कंट्रोल रूम सक्रिय करने और प्रशासनिक सतर्कता बनाए रखने के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने विशेष रूप से उर्वरक के भंडारण और वितरण की निगरानी सहित कृषि क्षेत्र में पूर्वनियोजन की आवश्यकता पर भी जोर दिया, ताकि आगामी खरीफ मौसम में किसानों को किसी प्रकार की कठिनाई न हो।

प्रधानमंत्री ने गलत सूचना के प्रसार और अफवाहों के प्रति सतर्क रहने की चेतावनी देते हुए कहा कि समय पर सटीक और विश्वसनीय जानकारी का प्रसार भय फैलने से रोकने के लिए आवश्यक है। उन्होंने ऑनलाइन धोखाधड़ी और नकली एजेंटों के प्रति भी सतर्क रहने की सलाह दी। प्रधानमंत्री ने नौवहन, आवश्यक आपूर्तियों और समुद्री संचालन से जुड़ी उभरती चुनौतियों से निपटने के लिए सीमावर्ती और तटीय राज्यों पर विशेष ध्यान देने का आ'ान किया

उन्होंने जनता का विश्वास बनाए रखने के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता के संबंध में आश्वासन नागरिकों में अनावश्यक भय फैलने से रोकने में मदद करेगा। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि जिन राज्यों के नागरिक पश्चिम एशिया में हैं, वे प्रभावित परिवारों की सहायता और समय पर जानकारी के प्रवाह को सुनिश्चित करने के लिए हेल्पलाइन सक्रिय करें, नोडल अधिकारियों की नियुक्ति करें और जिला स्तर पर सहायता प्रणाली स्थापित करें।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत की आर्थिक और आपूर्ति प्रणालियों को मजबूत करने की दिशा में हाल के वर्षों में लिए किए गए प्रयास वर्तमान परिस्थितियों में लाभकारी साबित हो रहे हैं। उन्होंने उद्योग और एमएसएमई के साथ निरंतर संवाद बनाए रखने का आ'ान किया, ताकि उनकी चिंताओं का समाधान हो और उत्पादन व रोजगार में स्थिरता सुनिश्चित हो सके। उन्होंने सभी स्तरों पर मजबूत समन्वय तंत्र की आवश्यकता पर भी जोर दिया, जिनमें मुख्य सचिवों के स्तर पर नियमित समीक्षा और जिला स्तर पर निरंतर निगरानी शामिल है, ताकि बदलती परिस्थितियों का त्वरित और प्रभावी जवाब दिया जा सके।

प्रधानमंत्री ने तत्काल प्रतिक्रिया और दीर्घकालिक तैयारियों पर समान रूप से ध्यान देने का आ'ान किया। उन्होंने राज्यों से जैव ईंधन, सौर ऊर्जा, गोबरधन पहल, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी जैसे वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों को बढ़ावा देने और पाइप द्वारा प्राकृतिक गैस के कनेक्शनों का विस्तार करने में तेजी लाने का आग्रह किया। उन्होंने राज्यों के सक्रिय सहयोग के साथ घरेलू स्तर पर तेल और प्राकृतिक गैस की खोज बढ़ाने के महत्व को भी रेखांकित किया।

प्रधानमंत्री ने दोहराया कि इस चुनौती से निपटना साझा जिम्मेदारी है और विश्वास व्यक्त किया कि 'टीम इंडिया' के रूप में मिलकर काम करते हुए देश इस स्थिति से सफलतापूर्वक निपट लेगा।

बैठक के दौरान रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने बताया कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में सरकार इस संकट से निपटने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रही है और एलपीजी की समय पर उपलब्धता सुनिश्चित करने और पेट्रोल व डीजल पर उत्पाद शुल्क कम करने जैसे सकारात्मक कदम उठाए गए हैं। उन्होंने स्थिति से निपटने के लिए सभी राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों और केंद्र की ओर से सामूहिक कार्रवाई किए जाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

कैबिनेट सचिव श्री टी.वी. सोमनाथन ने वर्तमान स्थिति पर प्रस्तुति दी और राज्यों को स्थिति से निपटने के लिए कदम और सुझाव बताए।

मुख्यमंत्रियों ने स्थिति से निपटने के लिए केंद्र सरकार द्वारा प्रधानमंत्री के नेतृत्व में उठाए गए कदमों की सराहना की। उन्होंने इस संकट के दौरान भारतीय नागरिकों का कल्याण सुनिश्चित करने के लिए प्रधानमंत्री द्वारा विभिन्न देशों के साथ किए गए

बारिश से फसलों के नुकसान का आकलन कर किसानों को दिलाएं मुआवजा : सीएम योगी

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश में असमय बारिश से फसलों को नुकसान के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को तुरंत सर्वे और किसानों को मुआवजा देने के निर्देश दिए हैं। किसान 14447 हेल्पलाइन, क्रॉप इंश्योरेंस ऐप और व्हाट्सएप के जरिए फसल नुकसान की सूचना दे सकते हैं।

उत्तर प्रदेश में हाल ही में हुई असमय बारिश ने कई जिलों के किसानों की चिंता बढ़ा दी है। खेतों में तैयार खड़ी फसल को नुकसान पहुंचने की खबरों के बीच राज्य सरकार भी सक्रिय हो गई है। मुख्यमंत्री योगी ने हालात की जानकारी लेते हुए अधिकारियों को अलर्ट मोड में रहने और किसानों को जल्द राहत पहुंचाने के निर्देश दिए हैं।

मुख्यमंत्री ने साफ कहा कि किसानों का हित सरकार की प्राथमिकता है। ऐसे में जहां भी बारिश की वजह से फसल को नुकसान हुआ है, वहां तुरंत सर्वे कराकर वास्तविक स्थिति का आकलन किया जाए और प्रभावित किसानों को समय पर सहायता दी जाए।

संयुक्त सर्वे से होगा नुकसान का आकलन

मुख्यमंत्री ने राजस्व विभाग, कृषि विभाग और बीमा कंपनियों को निर्देश दिया है कि वे मिलकर फसल नुकसान का संयुक्त सर्वे करें। इस सर्वे के जरिए यह पता लगाया जाएगा कि किन-किन इलाकों में कितनी फसल प्रभावित हुई है। इसके बाद रिपोर्ट शासन को भेजी जाएगी ताकि मुआवजा देने की प्रक्रिया जल्द शुरू की जा सके।

जिलाधिकारियों को फील्ड में रहने के निर्देश

सीएम योगी ने सभी जिलाधिकारियों से कहा है कि वे खुद फील्ड में जाकर स्थिति का जायजा लें। प्रभावित गांवों और खेतों का निरीक्षण कर वास्तविक नुकसान का आंकलन कराया जाए।

संक्षिप्त समाचार

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने श्री बालेंद्र शाह को नेपाल के प्रधानमंत्री पद की शपथ ग्रहण करने पर बधाई दी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने श्री बालेंद्र शाह जी को नेपाल के प्रधानमंत्री पद की शपथ ग्रहण पर

हार्दिक बधाई दी है। श्री मोदी ने कहा, 'आपका पदभार ग्रहण करना नेपाल की जनता द्वारा आप पर किए गए विश्वास को दशार्ता है।' श्री मोदी ने विश्वास व्यक्त किया कि भारत और नेपाल के बीच मित्रता और सहयोग नई ऊंचाइयां छुएगा।

केंद्रीय विद्युत अभियांत्रिकी सेवा (सीपीईएस) और भारतीय आर्थिक सेवा के अधिकारियों ने राष्ट्रपति से मुलाकात की

(जीएनएस)।

केंद्रीय विद्युत अभियांत्रिकी सेवा (सीपीईएस) और भारतीय आर्थिक सेवा (आईईएस) के अधिकारियों ने आज (27 मार्च, 2026) राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात की।

अधिकारियों को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि वे भारत के विकास में अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं और उनके निर्णय एक मजबूत और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में सहायक होंगे। समावेशी और सतत विकास को बढ़ावा देने वाली नीतियों को आकार देने और सुधारों को लागू करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका होगी। उन्होंने अधिकारियों को समर्पण और उत्साह की भावना से कार्य करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि उन्हें अपने सफर में कई चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है, लेकिन ये चुनौतियां राष्ट्र निर्माण में सार्थक योगदान देने के अपार अवसर प्रदान करती हैं। उन्हें हमेशा जिज्ञासा, नवाचार के प्रति प्रतिबद्धता और निरंतर सीखने की तत्परता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करना चाहिए।

केंद्रीय विद्युत अभियांत्रिकी सेवा के अधिकारियों को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि विद्युत, औद्योगिक विकास, नवाचार, जीवन स्तर में सुधार और देश की समग्र सामाजिक-आर्थिक प्रगति का मुख्य प्रेरक तत्व है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय विद्युत अभियांत्रिकी सेवा विद्युत प्रणालियों की गुणवत्ता, विश्वसनीयता और सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए विद्युत उत्पादन, पारेषण और वितरण के क्षेत्रों में नियोजन और विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। उन्होंने कहा कि सुदृढ़ अभियांत्रिकी पद्धतियों और नवोन्मेषी समाधानों के माध्यम से राष्ट्र के विद्युत अवसंरचना को सुदृढ़ करने में केंद्रीय विद्युत अभियांत्रिकी सेवा अधिकारियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होगी।

भारतीय आर्थिक सेवा (आईईएस) के अधिकारियों को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि तेजी से बदलते वैश्विक और घरेलू परिदृश्य में, सार्वजनिक सेवा में आर्थिक नियोजन और कार्यान्वयन की भूमिका पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गई है।

डब्ल्यूटीओ) के 14वें मंत्रिस्तरीय सम्मेलन में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री, श्री पीयूष गोयल, 26 मार्च 2026 से याउंडे, कैमरून में शुरू हुए विश्व व्यापार संगठन(डब्ल्यूटीओ) के 14वें मंत्रिस्तरीय सम्मेलन में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं

श्री पीयूष गोयल ने विश्व व्यापार संगठन(डब्ल्यूटीओ) में सुधारों को पारदर्शी, समावेशी और सदस्य-संचालित प्रक्रिया के माध्यम से लागू करने का आ'ान किया, जिसमें विकास को केंद्र में रखा जाए

श्री गोयल ने विश्व व्यापार संगठन(डब्ल्यूटीओ) के मूलभूत सिद्धांतों और उद्देश्यों–विशेष रूप से भेदभाव-रहित नीति, सर्वसम्मति-आधारित निर्णय-निर्माण और समानता–को बनाए रखने की आवश्यकता पर बल दिया

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने कैमरून के माननीय प्रधानमंत्री महामहिम श्री डायोन न्गूटे जोसेफ से मुलाकात की और विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के महानिदेशक के साथ वार्ता की

(जीएनएस)।

विश्व व्यापार संगठन(डब्ल्यूटीओ) का 14वां मंत्रिस्तरीय सम्मेलन 26 मार्च 2026 को कैमरून के याउंडे में कैमरून के व्यापार मंत्री की अध्यक्षता में एक औपचारिक सत्र के साथ प्रारंभ हुआ। इस सत्र में डब्ल्यूटीओ की महानिदेशक डॉ. न्गोजी ओकोंजो-इवेला तथा सदस्य देशों के व्यापार मंत्रियों/वरिष्ठ प्रतिनिधियों उपस्थित थे। भारत की ओर से वाणिज्य सचिव श्री राजेश अग्रवाल ने इसके उद्घाटन सत्र में भाग लिया। उद्घाटन सत्र के बाद 15 सितंबर 2025 को मत्स्य पालन सब्सिडी समझौते के लागू होने के उपलक्ष्य में एक संक्षिप्त समारोह भी आयोजित किया गया।

उद्घाटन समारोह के बाद, मंत्रियों ने डब्ल्यूटीओ के मूलभूत मुद्दों, जिसमें इसके सिद्धांत भी शामिल हैं, पर एक मंत्रिस्तरीय चर्चा के लिए बैठक की। इस सत्र के दौरान भारत के माननीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल ने कहा कि डब्ल्यूटीओ में आवश्यक सुधार पारदर्शी, समावेशी और सदस्य-संचालित प्रक्रिया के माध्यम से किए जाने चाहिए, जिसमें विकास को केंद्र में रखा जाए तथा संगठन के मूलभूत बुनियादी सिद्धांतों और उद्देश्यों—विशेष रूप से भेदभाव-रहित नीति, सर्वसम्मति-आधारित निर्णय लेने की प्रक्रिया और निष्पक्षता—को बनाए रखा जाए।

एमसी14 बैठकों के पहले दिन के दौरान, श्री गोयल ने कैमरून के माननीय प्रधानमंत्री महामहिम श्री डायोन न्गूटे जोसेफ से मुलाकात की और भारत-कैमरून सहयोग को और मजबूत करने के उपायों सहित द्विपक्षीय एवं बहुपक्षीय मुद्दों पर चर्चा की। श्री गोयल ने विश्व व्यापार संगठन(डब्ल्यूटीओ) की महानिदेशक के साथ भी द्विपक्षीय बैठक की, जिसमें चचाएं मुख्य रूप से एमसी14 के एजेंडे पर केन्द्रित रहीं। एचसीआईएम ने नीदरलैंड, फ्रांस और इथियोपिया के अपने समकक्षों के साथ भी द्विपक्षीय बैठकें कीं और द्विपक्षीय व्यापार संबंधों को और गहरा करने पर विचारों का आदान-प्रदान किया।

वाणिज्य सचिव श्री राजेश अग्रवाल ने भी एमसी-14 के दौरान चिली, पराग्वे, अमेरिका, नेपाल, फिलीपींस, सऊदी अरब, यूरोपीय संसद के प्रतिनिधिमंडल, मेक्सिको, पेरू, रूस, न्यूजीलैंड और यूरोपीय संघ के अपने समकक्षों के साथ द्विपक्षीय बैठकें कीं। इन बैठकों में चर्चा एमसी-14 के एजेंडे के साथ-साथ द्विपक्षीय व्यापार संबंधों को सुदृढ़ करने के विकल्पों पर केंद्रित रहीं। चिली और पेरू के साथ, दोनों पक्षों ने भारत-चिली एफटीए वार्ता और भारत-पेरू एफटीए वार्ता की प्रगति पर चर्चा की। यूरोपीय संघ और न्यूजीलैंड के साथ, दोनों पक्षों ने हाल ही में संपन्न भारत-ईयू एफटीए तथा भारत-न्यूजीलैंड एफटीए वाताओं पर हस्ताक्षर की दिशा में हुई प्रगति की समीक्षा की।

अग्निवीरों को बड़ा तोहफा, बिना फिजिकल दिए मिलेगी नौकरी, 20% सीटें रिजर्व

(जीएनएस)।

दिल्ली पुलिस में भर्ती होने का सपना देखने वाले पूर्व-अग्निवीरों के लिए केंद्र सरकार ने एक बड़ा फैसला लिया है। गृह मंत्रालय ने दिल्ली पुलिस भर्ती नियमों में बदलाव करते हुए पूर्व-अग्निवीरों के लिए कांस्टेबल (एग्जीक्यूटिव) के पदों पर आरक्षण और आयु सीमा में छूट का रास्ता साफ कर दिया है।

27 मार्च, 2026 को जारी इस नोटिफिकेशन के अनुसार, अब सेना का अनुभव रखने वाले इन युवाओं को पुलिस बल का हिस्सा बनने का विशेष मौका मिलेगा।

अब दिल्ली पुलिस में कांस्टेबल की सीधी भर्ती में 20 प्रतिशत सीटें पूर्व-अग्निवीरों के लिए रिजर्व होंगी। यह कोटा पहले से मौजूद रउ, रळ और डइउ जैसे आरक्षणों के अलावा होगा। इसका मतलब है कि सेना से सेवा पूरी करके आने वाले युवाओं के पास

पुलिस की नौकरी पाने का एक मजबूत और पक्का मौका होगा। सरकार जरूरत के हिसाब से इस कोटे को समय-समय पर बदल भी सकती है, जिससे अधिक से अधिक प्रशिक्षित युवाओं को रोजगार मिल सके।

भर्ती में पूर्व-अग्निवीरों को उम्र में 3 साल की सामान्य छूट दी जाएगी। जो युवा अग्निपथ योजना के पहले बैच का हिस्सा थे, उन्हें विशेष तौर पर 5 साल की अतिरिक्त छूट मिलेगी। सबसे बड़ी राहत की बात यह है कि इन्हें शारीरिक दक्षता परीक्षा (PET) यानी दौड़-धूप वाले फिजिकल टेस्ट से छूट दी गई है। चूंकि वे पहले से ही सेना की कड़ी ट्रेनिंग ले चुके हैं, इसलिए उन्हें सीधे भर्ती प्रक्रिया के अगले चरणों में शामिल किया जाएगा।

प्रधानमंत्री ने श्री राम जन्मभूमि मंदिर में सूर्य तिलक देखा

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज अयोध्या स्थित श्री राम जन्मभूमि मंदिर में सूर्य तिलक ग्रहण किया। श्री मोदी ने कहा, 'प्रभु श्री राम का आशीर्वाद हम पर सदा बना रहे।'

श्री मोदी ने एक्स पर लिखा है:

आज सुबह अयोध्या स्थित श्री राम जन्मभूमि मंदिर में सूर्य तिलक संस्कार हुआ। प्रभु श्रीराम की कृपा हम सभी पर सदैव बनी रहे।

सम्पादकीय

ईरान को लगता है कि ट्रंप पहले ही दो बार धोखा दे चुके हैं

पश्चिम एशिया में संघर्ष खत्म करने के लिए अमेरिका के 15 सूत्रीय प्रस्ताव को खारिज करते हुए ईरान ने उल्टा अपनी पांच शत्रे रख दीं। ईरान ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के 15 सूत्रीय शांति प्रस्ताव को एकतरफा बताते हुए सिरे से खारिज कर दिया है और युद्ध खत्म करने के लिए अपनी पांच बड़ी शत्रे सामने रख दीं हैं। ईरान ने स्पष्ट कहा कि वह यह युद्ध तब ही खत्म करेगा, जब उसकी मांगे पूरी होंगी। अमेरिका ने अपना प्रस्ताव पाकिस्तान के जरिए ईरान तक पहुंचाया था। ईरान ने दो टूक कहा कि न तो हमें ट्रंप पर विश्वास है और न ही हमें पाकिस्तान की मध्यस्थता मंजूर है। ईरान ने अपनी पांच शतरे में युद्ध के नुकसान का भारी मुआवजा, टारगेट किलिंग पर रोक और सबसे महत्वपूर्ण स्टेट ऑफ होर्मुज पर पूर्ण संप्रभुता शामिल है। तेहरान का स्पष्ट रुख है कि शांति तभी होगी जब अमेरिका उसकी शतरे को मानेगा और क्षेत्र के सभी रेजिस्टेंस ग्रुप्स पर हमले बंद करेगा। ईरान और अमेरिका के बीच छिड़ी इस भीषण जंग में अब तेहरान ने भी अपने तेवर कड़े कर लिए हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 15 सूत्रीय प्रस्ताव दिया था। यह वुछ इस प्रकार थाः ईरान अपने तीनों प्रमुख परमाणु ठिकानों को बंद करे। यूरेनियम संवर्धन को पूरी तरह रोके।

बैलिस्टिक मिसाइल कार्यंव्रम को निलंबित किया जाएगा। विद्रोही समूह जैसे हमास, हिजबुल्लाह, हूती आदि को मदद बंद करें। होर्मुज को पूरी तरह खोला जाए। ईरान ये वादा करे कि वह कभी परमाणु हथियार बनाने की कोशिश नहीं करेगा। एक प्रमुख मांग यह भी थी कि मौजूदा संवर्धित यूरेनियम को अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी को सौंपना होगा। बाकी भी वुछ मांगे थीं, मैंने प्रमुख अमेरिकी मांगों का जिव्र किया है, ईरान और अमेरिका एक-दूसरे से जो चाहते हैं, मुझे तो उन पर सहमति होना मुश्किल लगता है। कमोबेश इन्हीं मामलों पर फरवरी में भी बातचीत हुई थी। इन बिंदुओं को वह रेड लाइन कह सकते हैं, जिस पार करना दोनों देशों के लिए असंभव है। वहीं, ईरान के विदेशी मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि उनका देश संघर्ष का स्थायी अंत चाहता है। उन्होंने कहा कि युद्ध विराम के प्रस्ताव पर विचार किया जा रहा है, लेकिन ईरान की अमेरिका से वार्ता की कोई इच्छा नहीं है। उन्होंने कहा, अमेरिका मध्यस्थों के जरिए संदेश भेज रहा है। ऐसे संदेशों के आदान-प्रदान का मतलब वार्ता नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका ने जिस मकसद से युद्ध छेड़ा था, उसे हासिल नहीं कर पाया। अमेरिका युद्ध में जीत और ईरान में सत्ता परिवर्तन चाहता था, जो दोनों ही नहीं हुए। वहीं ईरान के संयुक्त सैन्य कमान के प्रवक्ता इब्राहिम जोल्फकारी ने कहा जिस अमेरिकी रणनीतिक ताकत का ट्रंप शेखी बघारते थे, वह अब रणनीतिक हार में बदल गईं। आज कोईं भी अमेरिका के झूठे प्रचार से भ्रमित नहीं होगा। इससे पहले, अमेरिका ने पाकिस्तान के जरिए भेजे प्रस्ताव में युद्ध विराम के लिए ईरान को पाकिस्तान, तुर्किए में से किसी जगह वार्ता का सुझाव दिया था जिसे ईरान ने सिरे से खारिज कर दिया। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बेघाईं ने कहा कि पिछले साल जब परमाणु वार्ता हो रही थी उसी बीच अमेरिका ने ईरान पर हमला किया था। उन्होंने उसे वूटनीतिक विश्वासघात बताते हुए कहा, हमें अमेरिका पर कोईं भरोसा नहीं है। ट्रंप दो बार धोखा दे चुके हैं और अब हम ऐसा नहीं होने देंगे। हमारी राय में ताकत कोईं समाधान नहीं है। बातचीत पर आगे बढ़ने के लिए यह भी जरूरी है कि पहले ईरान पर हमले बंद हों। यह नहीं हो सकता कि आप एक तरफ शांति प्रस्ताव भेजें और संघर्ष विराम की एक तरफा घोषणा करके हमले जारी रखें? यही नहीं अमेरिका लगातार अपनी थल सेना के सैनिक बढ़ाता जा रहा है। नए-नए युद्ध पोत, फाइटर विमान भेजे जा रहा है और दूसरी ओर शांति की बात करता है। यह दोगुलापन नहीं तो और क्या है? क्या आप ईरान को दोष दे सकते हो अगर वो यह कहता है कि हमें ट्रंप पर कतईं विश्वास नहीं है।

चर्चा, बहस और असहमति का उद्देश्य राष्ट्रीय हित में निर्णय लेना होना चाहिए, न कि व्यवधान उत्पन्न करना, समाचार पत्रों को औपनिवेशिक मानसिकता से मुक्त होने के प्रयास का नेतृत्व करना चाहिए: उपराष्ट्रपति

रामनाथ गोयनका ने आपातकाल के दौरान खाली संपादकीय प्रकाशित करके मौन की शक्ति का प्रदर्शन किया: रामनाथ गोयनका उत्कृष्ट पत्रकारिता पुरस्कारों के 20वें संस्करण में उपराष्ट्रपति

रामनाथ गोयनका उत्कृष्ट पत्रकारिता पुरस्कार पेशेवर उपलब्धियों और निडर, सिद्धांतनिष्ठ पत्रकारिता की भावना का कीर्तिगान करते हैं: उपराष्ट्रपति

(जीएनएस)।

उपराष्ट्रपति श्री सी. पी. राधाकृष्णन ने आज नई दिल्ली में द इंडियन एक्सप्रेस समूह द्वारा आयोजित रामनाथ गोयनका उत्कृष्ट पत्रकारिता पुरस्कारों के 20वें संस्करण को संबोधित किया।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि ये पुरस्कार केवल पेशेवर उपलब्धियों का ही नहीं, बल्कि निडर और सिद्धांतनिष्ठ पत्रकारिता की स्थायी भावना का भी कीर्तिगान करते हैं। उन्होंने कहा कि इन पुरस्कारों की स्थापना को 20 वर्ष हो चुके हैं और ये श्री रामनाथ गोयनका की विरासत को सम्मानित करते हैं, जो विशेषकर भारत के इतिहास के कुछ सबसे चुनौतीपूर्ण दौरों में साहस, स्वतंत्रता और सत्य के प्रति अडिग प्रतिबद्धता से परिभाषित होती है। उन्होंने कहा कि ऐसे समय में जब मीडिया शक्तिशाली भी है और गहन जांच के दायरे में भी है, श्री गोयनका के आदर्श आज भी मार्गदर्शक बने हुए हैं।

उपराष्ट्रपति ने भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान श्री रामनाथ गोयनका की भूमिका को रेखांकित किया, जब उन्होंने ब्रिटिश सेंसरशिप के विरोध में समाचार पत्र को बंद करने का निर्णय लिया था। उन्होंने संविधान सभा के सदस्य के रूप में श्री गोयनका के योगदान को भी याद किया, जिसमें समाचार पत्रों पर कराधान जैसे मुद्दों पर उनके हस्तक्षेप शामिल थे।

भारत में आपातकाल का उल्लेख करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि श्री रामनाथ गोयनका ने खाली संपादकीय प्रकाशित करके मौन की शक्ति का प्रदर्शन किया, जो प्रेस की स्वतंत्रता और नागरिकों के अभिव्यक्ति के अधिकार का सशक्त प्रतीक बन गया। उपराष्ट्रपति ने कहा कि संपादकों की गिरफ्तारी, बिजली आपूर्ति में बाधा, आर्थिक नुकसान और उत्पीड़न जैसी चुनौतियों का सामना करने के बावजूद श्री गोयनका लोकतांत्रिक मूल्यों और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता पर अडिग रहे।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि श्री रामनाथ गोयनका के जीवन की यात्रा —दरभंगा से चेन्नई तक और बाद में विदिशा से सांसद के रूप में—भारत की विविधता में एकता की भावना को दशार्ती है। उन्होंने इस बात का भी उल्लेख किया कि श्री गोयनका ने व्यापक पहुँच सुनिश्चित करने के लिए अंग्रेजी के साथ-साथ कई क्षेत्रीय भाषाओं में भी समाचार पत्र प्रकाशित किए, और उनके मूल्य आज भी द इंडियन एक्सप्रेस को निष्पक्षता, साहस और स्वतंत्रता के प्रतीक के रूप में परिभाषित करते हैं।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि चर्चा, बहस और यहां तक कि असहमति का परिणाम भी अंततः राष्ट्रहित में निर्णय लेना होना चाहिए, न कि व्यवधान उत्पन्न करना।

उन्होंने औपनिवेशिक मानसिकता को त्यागने के प्रधानमंत्री के आ'ान को भी याद किया और कहा कि वैश्विक और राष्ट्रीय घटनाक्रमों को देश के सभ्यतागत मूल्यों से जुड़े भारतीय नजरिए से दिखाने में द इंडियन एक्सप्रेस जैसे मीडिया संस्थानों की महत्वपूर्ण भूमिका है।

उपराष्ट्रपति ने प्रगति, नवाचार और जमीनी स्तर पर हो रहे परिवर्तन की कहानियों को प्रमुखता से उजागर करने के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि संतुलित दृष्टिकोण में चुनौतियों के साथ-साथ उपलब्धियों को भी शामिल किया जाना चाहिए।

अपने संबोधन के समापन पर उपराष्ट्रपति ने सभी पुरस्कार विजेताओं को बधाई दी और पत्रकारिता में उत्कृष्टता को सम्मानित करने की परंपरा को बनाए रखने के लिए आयोजकों की सराहना की।

आईसीएआर संस्थानों ने वैश्विक रैंकिंग में नए आयाम स्थापित किए और भारत की कृषि उच्च शिक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि अर्जित की

आईसीएआर के दो डीम्ड विश्वविद्यालयों ने क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग - विषयवार 2026 में ऐतिहासिक पदार्पण किया

(जीएनएस)।

विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बढ़ाते हुए, भारतीय कृषि संस्थानों ने क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग बाई सब्जेक्ट 2026 में पहली बार अपनी उपस्थिति दर्ज की है। प्रधानमंत्री द्वारा दिसंबर 2025 में मुख्य सचिवों के सम्मेलन के दौरान दिए गए जोर के आलोक में, यह उपलब्धि बेहद ही महत्वपूर्ण है। इस सम्मेलन में प्रधानमंत्री ने कुशल मानव पूंजी के विकास की महत्वपूर्ण जरूरत पर बल दिया था।

इस राष्ट्रीय प्राथमिकता को ध्यान में रखते हुए, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के अधीन भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान शिक्षा एवं विस्तार प्रणाली (एनएआरईईएस) के तहत विश्व स्तरीय, बहुविषयक और अनुसंधान-प्रधान शिक्षा से जुड़े इकोसिस्टम को मजबूत करने हेतु अथक प्रयास कर रही है। यूनाइटेड किंगडम (यूके) स्थित विश्लेषक क्यूएस क्वाक्वेरेली साइमंड्स द्वारा 25 मार्च को जारी नवीनतम क्यूएस रैंकिंग इन समन्वित प्रयासों की सफलता को दशार्ती है। वर्ष 2026 संस्करण में शैक्षणिक प्रतिष्ठा, नियोक्ता की प्रतिष्ठा, अनुसंधान संबंधी उद्धरण और अंतरराष्ट्रीय सहयोग जैसे मापदंडों के आधार पर वैश्विक स्तर पर 1,900 से अधिक विश्वविद्यालयों के 21,000 से अधिक शैक्षणिक कार्यक्रमों का मूल्यांकन किया गया।

पहली बार, आईसीएआर के दो संस्थानों ने इस प्रतिष्ठित वैश्विक मंच पर स्थान बनाया है। बरेली स्थित आईसीएआर-भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान ने 51-100 रैंकिंग वाली श्रेणी में स्थान हासिल किया है और पशु चिकित्सा विज्ञान श्रेणी में शीर्ष 100 में शामिल होने वाला एकमात्र भारतीय विश्वविद्यालय बन गया है। वहीं, नई दिल्ली स्थित आईसीएआर-भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान ने कृषि एवं वानिकी श्रेणी में 151-200 रैंकिंग वाली श्रेणी में पहली बार स्थान बनाया है और भारतीय संस्थानों के एक विशिष्ट समूह में शामिल हो गया है।

कुल मिलाकर, कृषि एवं वानिकी श्रेणी में वैश्विक स्तर पर 475 विश्वविद्यालयों में से 10 भारतीय विश्वविद्यालय शामिल हैं। 151-200 वाली श्रेणी में, आईएआरआई के साथ-साथ बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय और आईआईटी खड़गपुर भी शामिल हैं। जबकि, तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय (टीएनएयू) 201-250 वाली श्रेणी में है। उल्लेखनीय रूप से, हिसार स्थित चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने भी 301-350 वाली श्रेणी में पहली बार अपनी उपस्थिति दर्ज करायी है।

डीएआरई के सचिव एवं आईसीएआर के महानिदेशक डॉ. एम.एल. जाट ने कहा कि आईसीएआर के डीम्ड विश्वविद्यालयों की इस रैंकिंग में उपस्थिति कृषि-खाद्य एवं स्वास्थ्य प्रणालियों में मूलभूत और अनुप्रयुक्त विज्ञान के क्षेत्र में उनके निरंतर बहुआयामी योगदान का सबूत है। कृषि विज्ञान के प्रतिस्पर्धी वैश्विक परिदृश्य, जहां संस्थानों का मूल्यांकन न केवल अनुसंधान संबंधी उत्कृष्टता बल्कि सामाजिक प्रभाव के आधार पर भी किया जाता है, को देखते हुए उनकी सफलता विशेष रूप से उल्लेखनीय है। आईसीएआर-आईएआरआई और आईवीआरआई का सशक्त प्रदर्शन उनके उस समन्वित दृष्टिकोण को रेखांकित करता है, जिसमें मौलिक अनुसंधान, व्यावहारिक विज्ञान और जमीनी स्तर पर पहुंच शामिल है। साथ ही, फसल एवं पशुधन सुधार और जलवायु के अनुकूल कृषि से संबंधित राष्ट्रीय कार्यक्रमों में भी उनका योगदान बेहद महत्वपूर्ण है। पूर्व छात्रों के एक मजबूत नेटवर्क और हितधारकों के अटूट विश्वास ने वैश्विक मानचित्र पर उनकी उपस्थिति को और मजबूत किया है।

भारत जैसे-जैसे विकसित भारत की दिशा में अग्रसर हो रहा है, आईसीएआर के प्रमुख संस्थानों की वैश्विक मान्यता एक नए युग का संकेत देती है। देश की कृषि उच्च शिक्षा न केवल दुनिया के साथ कदम मिलाकर चल रही है, बल्कि विज्ञान, नवाचार और मानव पूंजी के विकास में उत्कृष्टता के नए मानदंड भी स्थापित कर रही है।

सरकार ने उर्वरक की जमाखोरी और कालाबाजारी मामले में कार्रवाई तेज की; किसानों के हितों की रक्षा के लिए 6,900 से अधिक लाइसेंस रद्द किए गए

सरकार ने फॉस्फेट और पोटैशियम युक्त उर्वरकों के लिए पोषक तत्व आधारित सब्सिडी (एनबीएस) योजना का क्रियान्वयन जारी रखा है

(जीएनएस)।

भारत सरकार ने उर्वरकों की जमाखोरी, हेराफेरी और कालाबाजारी पर अंकुश लगाने के लिए कड़े प्रवर्तन उपाय किए हैं। रसायन एवं उर्वरक राज्य मंत्री श्रीमती अनुप्रिया एस. पटेल ने आज लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में बताया कि आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 के तहत उर्वरकों को आवश्यक वस्तु घोषित किया गया है और उर्वरक नियंत्रण आदेश, 1985 के तहत अधिसूचित किया गया है जो राज्य सरकारों को दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने का अधिकार देता है। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, राज्य सरकारों के परामर्श से, नियमित रूप से साप्ताहिक आधार पर प्रवर्तन कार्रवाइयों की निगरानी करता है और उल्लंघनकताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करता है।

प्रवर्तन एजेंसियों ने अप्रैल 2025 से, 4,66,415 छापे मारे हैं, 16,246 कारण बताओ नोटिस जारी किए हैं, 6,802 लाइसेंस निलंबित या रद्द किए हैं और उल्लंघनकताओं के खिलाफ 821 प्राथमिकी दर्ज की हैं। विशेष रूप से फरवरी 2026 में, जमाखोरी के मामलों में 28 कारण बताओ नोटिस जारी किए गए, दो लाइसेंस निलंबित/रद्द किए गए और दो प्राथमिकी दर्ज की गईं। ये उपाय किसानों को अनुचित विधियों से बचाने के लिए सरकार के दृढ़ संकल्प को दशार्ते हैं।

वर्तमान रबी 2025-26 सीजन के दौरान देश में यूरिया, डीएपी, एमओपी और एनपीकेएस जैसे उर्वरकों की उपलब्धता पर्याप्त बनी हुई है।

किफायती दामों पर यूरिया की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए, यूरिया सब्सिडी योजना के तहत किसानों को वैधानिक रूप से अधिसूचित अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) पर यूरिया उपलब्ध कराया जाता है। 45 किलो यूरिया के बैग का एमआरपी 242 रुपये प्रति बैग है (इसमें नीम कोटिंग और लागू करों का शुल्क शामिल नहीं है)। खेत में यूरिया की आपूर्ति लागत और यूरिया इकाइयों द्वारा प्राप्त शुद्ध बाजार मूल्य के बीच का अंतर भारत सरकार द्वारा यूरिया निमार्ता/आयातकर्ता को सब्सिडी के रूप में दिया जाता है।

इसके अतिरिक्त, सरकार ने फॉस्फेट और पोटैशियम (पी एवं के) उर्वरकों के लिए पोषक तत्व-आधारित सब्सिडी (एनबीएस) योजना का क्रियान्वयन जारी रखा है ताकि अंतरराष्ट्रीय कीमतों में उतार-चढ़ाव के अनुरूप सब्सिडी दरों को समायोजित करके किफायती आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। सरकार प्रमुख उर्वरकों और कच्चे माल की अंतरराष्ट्रीय कीमतों पर नजर रखती है और यदि कोई उतार-चढ़ाव होता है तो उसे किसानों को पी एवं के उर्वरकों की किफायती आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए वार्षिक/द्विवार्षिक आधार पर पी एवं के उर्वरकों के लिए एनबीएस दरें निर्धारित करते समय ध्यान में रखा जाता है। इसके अलावा, सामर्थ्य सुनिश्चित करने के लिए, खरीफ 2025 और रबी 2025-26 के मौसमों के लिए एनबीएस सब्सिडी के अतिरिक्त आयातित और घरेलू दोनों प्रकार के डीएपी और आयातित टीएसपी पर 3500 रुपये प्रति मीट्रिक टन जैसे विशेष प्रावधान लागू किए गए हैं, जिनमें कारखाने से खेत तक की लागत, अंतरराष्ट्रीय कीमतों में वृद्धि/कमी के कारण होने वाला लाभ/हानि, अधिकतम खुदरा मूल्य में शामिल जीएसटी घटक का प्रावधान और शुद्ध अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी-जीएसटी) के 4 प्रतिशत की दर से उचित प्रतिफल का प्रावधान शामिल है।

डीपीआईआईटी ने स्टार्टअप्स की सहायता करने और नवोन्मेषण इकोसिस्टम को सुदृढ़ करने के लिए एक फ्यूल-टेक कंपनी के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

(जीएनएस)।

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने ईंधन प्रौद्योगिकी, विनिर्माण और संबद्ध सेक्टरों में स्टार्टअप्स की सहायता करने और नवोन्मेषण इकोसिस्टम को सुदृढ़ करने के लिए एक फ्यूल टेक कंपनी के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं।

इस समझौता ज्ञापन के तहत, यह सहयोग विनिर्माण और डीप-टेक कार्य क्षेत्रों में स्टार्टअप्स को व्यवस्थित सहायता प्रदान करने पर केंद्रित होगा, जिसमें नवाचार चुनौतियों और हैकाथॉन का सह-आयोजन, निवेशक संपर्क कार्यक्रम और कौशल विकास पहल का आयोजन तथा प्रायोगिक अवसरों और बाजार तक पहुंच को सुगम बनाना शामिल है। यह पहल प्रारंभिक चरण के नवोन्मेषकों को विचार निर्माण से लेकर प्रोटोटाइपिंग तक

सहायता प्रदान करेगी और व्यापक पहुंच एवं भागीदारी के लिए स्टार्टअप इंडिया प्लेटफॉर्म का लाभ उठाएगी।

डीपीआईआईटी के संयुक्त सचिव श्री संजीव ने इस अवसर पर कहा कि यह साझेदारी बुनियादी ढांचे, मार्गदर्शन और बाजार संपर्कों तक पहुंच को सक्षम बनाकर भारत के स्टार्टअप इको-सिस्टम को सुदृढ़ करने की सरकार की निरंतर प्रतिबद्धता को दशार्ती है। उन्होंने कहा कि इस तरह के सहयोग से ईंधन प्रौद्योगिकी, विनिर्माण और आपूर्ति श्रृंखला प्रौद्योगिकियों जैसे प्रमुख सेक्टरों में नवाचार को गति मिलती है।

इस सहयोग के तहत, डीपीआईआईटी, रेपोस एनर्जी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के साथ मिलकर उद्योग-स्टार्टअप संबंधों को मजबूत करने और प्रौद्योगिकी आधारित समाधानों के विकास में सहयोग प्रदान करेगा। इस पहल से स्वदेशी नवाचार को बढ़ावा मिलने और उभरते सेक्टरों में स्टार्टअप्स के विस्तार में सहायता मिलने की उम्मीद है।

डीपीआईआईटी के उप सचिव श्री टीएलके सिंह और रेपो एनर्जी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड की संस्थापक सुश्री अदिति भोसले वालुंज ने वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री श्री जितिन प्रसाद ने लोकसभा में जन विश्वास (प्रावधान संशोधन) विधेयक, 2026 प्रस्तुत किया

इस विधेयक में 23 मंत्रालयों द्वारा प्रशासित 79 केंद्रीय अधिनियमों के 784 प्रावधानों में संशोधन का प्रस्ताव है

विधेयक में व्यापार सुगमता को बढ़ावा देने के लिए 717 प्रावधानों को अपराध की श्रेणी से बाहर करने और जीवन सुगमता को बढावा देने के लिए 67 संशोधनों का प्रावधान है

(जीएनएस)।

वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री श्री जितिन प्रसाद ने आज केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा अनुमोदित जन विश्वास (प्रावधान संशोधन) विधेयक, 2026 को लोकसभा में प्रस्तुत किया।

यह विधेयक व्यापार करने में सुगमता और जीवन यापन में सुगमता को बढ़ावा देने के साथ-साथ विश्वास और आनुपातिक विनियमन पर आधारित शासन ढांचे को आगे बढ़ाने के सरकार के प्रयासों में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

विधेयक में निम्नलिखित प्रस्ताव हैं:

- 23 मंत्रालयों द्वारा प्रशासित 79 केंद्रीय अधिनियमों के 784 प्रावधानों में संशोधन
- व्यापार करने में सुगमता को बढ़ावा देने के लिए 717 प्रावधानों को अपराध की श्रेणी से बाहर करना
- जीवनयापन को सुगम बनाने के लिए 67 प्रावधानों में संशोधन

इस विधेयक का उद्देश्य 1000 से अधिक अपराधों को सुव्यवस्थित करना, अप्रचलित और अनावश्यक प्रावधानों को हटाना और इस प्रकार समग्र नियामक वातावरण में सुधार करना है।

विधेयक में मामूली, तकनीकी या प्रक्रियात्मक चूकों के लिए आपराधिक दंडों की जगह नागरिक और प्रशासनिक प्रवर्तन तंत्रों की ओर बदलाव का प्रावधान है।

प्रमुख उपायों में शामिल हैं :

- कारावास प्रावधानों को आर्थिक दंड या चेतावनी से प्रतिस्थापित करना
- क्रमबद्ध प्रवर्तन तंत्र, जिसमें पहली बार उल्लंघन करने पर चेतावनी भी शामिल है
- अपराध की प्रकृति के अनुपात में जुर्माने और दंडों का युक्तिकरण

कुशल और समयबद्ध प्रवर्तन सुनिश्चित करने के लिए, विधेयक में निम्नलिखित प्रावधान हैं:

न्यायनिर्णय अधिकारियों की नियुक्ति

अपीलीय प्राधिकरणों की स्थापना

इन उपायों का उद्देश्य मामलों का शीघ्र निपटान करना और न्यायालयों पर मुकदमेबाजी का बोझ कम करना है, साथ ही प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का पालन सुनिश्चित करना है।

विधेयक में निम्नलिखित अधिनियमों के अंतर्गत 67 संशोधन भी प्रस्तावित हैं:

नई दिल्ली नगर परिषद अधिनियम, 1994

मोटर वाहन अधिनियम, 1988

इन संशोधनों का उद्देश्य नगरपालिका कराधान और वाहन संबंधी अनुपालन जैसे क्षेत्रों में प्रक्रियाओं को सरल बनाना और नागरिकों की सुविधा बढ़ाना है।

पीएलआई योजनाओं ने 2.16 लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश आकर्षित किया, 20.41 लाख करोड़ रुपये का उत्पादन बढ़ाया और 14.39 लाख नौकरियां उत्पन्न की

(जीएनएस)।

सरकार ने 25 सितम्बर 2014 को 'मेक इन इंडिया' पहल की शुरूआत की, जिसका उद्देश्य निवेश को बढ़ावा देना, नवाचार को प्रोत्साहित करना, विश्वस्तरीय अवसंरचना का निर्माण करना तथा भारत को विनिर्माण, डिजाइन और नवाचार का केन्द्र बनाना है। वर्तमान में, मेक इन इंडिया 2.0 का फोकस 27 क्षेत्रों पर है, जिनमें 15 विनिर्माण क्षेत्र शामिल हैं, और इसे विभिन्न मंत्रालयों, विभागों तथा राज्य सरकारों के माध्यम से लागू किया जा रहा है। मेक इन इंडिया 2.0 के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों की सूची परिशिष्ट-क में संलग्न है।

'मेक इन इंडिया' पहल के तहत किए गए अन्य प्रमुख उपायों में स्टार्ट-अप इंडिया, नेशनल सिंगल विंडो सिस्टम, जीआईएस-सक्षम भूमि बैंक, प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) नीति सुधार, बहु-माध्यमीय अवसंरचना की समेकित योजना हेतु पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान, प्रमुख अवसंरचना परियोजनाओं की स्थापना में बाधाओं को दूर करने के लिए प्रोजेक्ट मॉनिटरिंग ग्रुप, औद्योगिक पार्कों की स्थापना, व्यवसाय सुगमता में सुधार के उपाय, अनुपालन बोझ में कमी के उपाय, श्रम कानूनों का युक्तिकरण, वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की शुरूआत, सार्वजनिक खरीद आदेशों के माध्यम से घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने वाली नीतियां तथा चरणबद्ध विनिर्माण कार्यक्रम (पीएमपी) शामिल हैं।

मेक इन इंडिया पहल के अंतर्गत, उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजनाएं 14 प्रमुख क्षेत्रों में लागू की गई हैं, जिनमें बड़े पैमाने पर इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण (एलएसईएम), आईटी हार्डवेयर, औषधि, बल्क ड्रग्स, चिकित्सा उपकरण, ऑटोमोबाइल और ऑटो कंपोनेंट्स, एडवांस्ड केमिस्ट्री सेल बैटरियां, सोलर पीवी मॉड्यूल, दूरसंचार एवं नेटवर्किंग उत्पाद, खाद्य प्रसंस्करण, वस्त्र, विशेष इस्पात, श्वेत वस्तुएं तथा ड्रोन एवं ड्रोन कंपोनेंट्स शामिल हैं। इन योजनाओं के माध्यम से अतिरिक्त उत्पादन और बिक्री को प्रोत्साहित किया गया है। पीएलआई योजनाओं ने चिन्हित क्षेत्रों में नए निवेश को बढ़ावा दिया है और विनिर्माण क्षमता के विस्तार में सहयोग किया है।

पीएलआई योजनाओं के तहत 31 दिसम्बर 2025 तक 2.16 लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश प्राप्त हुआ है। इन योजनाओं के अंतर्गत किए गए निवेश से 31 दिसम्बर 2025 तक 20.41 लाख करोड़ रुपये से अधिक का अतिरिक्त उत्पादन और बिक्री हुई है। इसके अतिरिक्त, इन योजनाओं के परिणामस्वरूप 14.39 लाख से अधिक (प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष) रोजगार सृजित हुए हैं, और पीएलआई ढांचे के अंतर्गत शामिल सभी 14 क्षेत्रों में कुल 836 आवेदनों को स्वीकृति प्रदान की गई है।

भारत में विभिन्न क्षेत्रों में पीएलआई योजनाओं का प्रभाव महत्वपूर्ण रहा है। इन योजनाओं ने घरेलू विनिर्माण क्षमता को सुदृढ़ करने, निर्यात बढ़ाने, रोजगार सृजन करने तथा कई रणनीतिक क्षेत्रों में आयात पर निर्भरता कम करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। पिछले तीन वर्षों के दौरान वास्तविक निवेश, उत्पादन में वृद्धि और रोजगार सृजन का विवरण परिशिष्ट-क्क में संलग्न है। पीएलआई के अंतर्गत राज्य-वार आंकड़ों का केन्द्रीकृत रूप से रखरखाव नहीं किया जाता है।

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के विकास को समर्थन देने के लिए, केन्द्र सरकार विभिन्न योजनाओं, कार्यक्रमों और नीतिगत पहलों के माध्यम से राज्य/केन्द्र शासित प्रदेश सरकारों के प्रयासों को पूरक बनाती है। इसमें अन्य बातों के साथ-साथ निम्नलिखित योजनाएं और कार्यक्रम शामिल हैं:-

प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी): पीएमईजीपी के तहत गैर-कृषि क्षेत्र में नए सूक्ष्म उद्यम स्थापित करने के लिए अधिकतम मार्जिन मनी सब्सिडी 35 प्रतिशत तक प्रदान की जाती है।

RNI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh. and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR
Rage.Office: TF-01, Nanakram Super Market, Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad - 380 005 Gujarat,India. Phone : (O) 9016333307(M)9328333307,9825333307
Email : garvigujarat2007@gmail.com*garvigujarat2007@yahoo.com*Website : www.garvigujarat.co.in

लिवप्योर ने अयोध्या में अपना 'एक्सक्लूसिव ब्रांड आउटलेट' लॉन्च किया; उत्तर प्रदेश में रिटेल नेटवर्क का विस्तार

अयोध्या लॉन्च के साथ, लिवप्योर ने उन तेजी से बढ़ते गैर-महानगर बाजारों में अपनी पकड़ मजबूत की है, जहाँ खरीदारी के फैसले में 'प्रोडक्ट को खुद इस्तेमाल करके देखना' सबसे महत्वपूर्ण होता है।

अयोध्या, उत्तर प्रदेश, 27 मार्च 2026: भारत के सबसे भरोसेमंद और ग्राहकों की सेहत के प्रति समर्पित ब्रांड्स में से एक, लिवप्योर ने आज उत्तर प्रदेश के अयोध्या में अपना नया 'एक्सक्लूसिव ब्रांड आउटलेट' खोलने की घोषणा की है। यह पूरे राज्य में ब्रांड के जारी विस्तार में एक बड़ा पड़ाव है। 'एक्सपीरियंस-फर्स्ट' सोच के साथ तैयार यह आउटलेट लिवप्योर के स्मार्ट और सेहत पर केंद्रित होम सॉल्यूशंस को ग्राहकों के और करीब लाता है, जहाँ वे विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में इन प्रोडक्ट्स को गहराई से समझ सकते हैं।

अयोध्या में इस स्टोर का खुलना उभरते और उच्च क्षमता वाले बाजारों में अपनी भौतिक मौजूदगी बढ़ाने की लिवप्योर की व्यापक रणनीति का हिस्सा है। नया आउटलेट ग्राहकों को लिवप्योर के सेहत से जुड़े नवाचारों जैसे वॉटर प्यूरीफिकेशन, किचन अप्लायंसेज और एयर सॉल्यूशंस का खुद अनुभव लेने का मौका देता है।पहले से संचालित कई आउटलेट्स की सफलता को आगे बढ़ाते हुए, लिवप्योर पारदर्शी बातचीत, व्यक्तिगत प्रदर्शन और बेहतर इन-स्टोर अनुभव के जरिए ग्राहकों का भरोसा मजबूत करने पर ध्यान दे रहा है।

इस विस्तार पर बात करते हुए लिवप्योर के प्रबंध निदेशक, श्री राकेश कौल ने कहा, "अयोध्या में हमारे एक्सक्लूसिव ब्रांड आउटलेट का शुभारंभ उत्तर प्रदेश में लिवप्योर के विस्तार की दिशा में एक बड़ा कदम है। अयोध्या जैसे शहरों में अब लोग उन होम सॉल्यूशंस को प्राथमिकता दे रहे हैं जो बेहतरीन परफॉर्मेंस देते हैं। यहाँ परिवार खरीदारी से पहले प्रोडक्ट्स को देखने, महसूस करने और समझने को महत्व देते हैं। हमारे आउटलेट्स इसी जरूरत को पूरा करने के लिए बनाए गए हैं, जहाँ तकनीक, नवाचार और विश्वास का एक बेहतरीन संगम मिलता है। यह स्टोर सिर्फ एक रिटेल स्पेस नहीं है, बल्कि यह इस क्षेत्र के परिवारों को सही जानकारी के साथ फैसले लेने और एक स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए सशक्त बनाने का एक मंच है।"

तकनीक आधारित वेलनेस पर केंद्रित यह आउटलेट ब्रांड के सबसे आधुनिक और 'हाई-परफॉर्मेंस' नवाचारों को प्रदर्शित करता है। यहाँ अक्ङ्गळ-इनेबल्ड सॉल्यूशंस उपलब्ध हैं, जिनमें लिवप्योर की '2 फिल्टर लाइफ' वॉटर प्यूरीफायर रेंज, मेंटेनेंस-फ्री प्यूरीफायर, वॉयस-इनेबल्ड चिमनी और स्मार्ट ऊर्जा-कुशल उपकरणों का पूरा पोर्टफोलियो शामिल है। 'सस्टेनेबल' और भविष्य के अनुकूल जीवन पर आधारित यह आउटलेट लाइव प्रोडक्ट डेमो की सुविधा भी देता है, जहाँ विशेषज्ञ ग्राहकों को सही चुनाव करने में मदद करते हैं।

जैसा कि 'फिजिकल रिटेल' ग्राहकों का भरोसा जीतने में आज भी बड़ी भूमिका निभाता है, लिवप्योर पूरे भारत में अपने रिटेल विस्तार को और तेज करने की योजना बना रहा है। कंपनी ने अगले वित्त वर्ष तक प्रमुख बाजारों में 100 एक्सक्लूसिव ब्रांड आउटलेट खोलने का लक्ष्य रखा है, ताकि इसके वेलनेस इकोसिस्टम का लाभ ज्यादा से ज्यादा भारतीय घरों तक पहुँच सके।

उ.प्र. में एलपीजी, पेट्रोल, डीजल के संकट के दावों के बीच सीएम योगी बोले- मानसिक रूप से तैयार रहें...

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर में औद्योगिक विकास प्राधिकरण क्षेत्र में बने सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क सेंटर के उद्घाटन कार्यक्रम में एलपीजी, पेट्रोल और डीजल के संकट के दावों पर अपनी बात रखी. सीएम ने मिडिल ईस्ट में चल रहे युद्ध के संदर्भ में कहा कि गल्फ वॉर की अफवाहों के बीच लोग अनावश्यक रूप से रसोई गैस के सिलेंडर लेने के लिए लाइनों में लग रहे हैं.

उन्होंने यह भी कहा कि यदि यह युद्ध लंबा खिंचता है तो उसका प्रभाव हर व्यक्ति पर पड़ सकता है, इसलिए हमें मानसिक रूप से तैयार रहना होगा और अफवाहों से दूर रहना होगा. मुख्यमंत्री ने कहा कि जब भी कोई राष्ट्रीय चुनौती सामने आती है तो सरकार और जनता को मिलकर उसका सामना करना चाहिए,

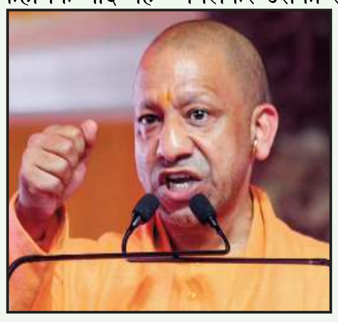

यही सच्ची राष्ट्रभक्ति है, और यदि देशहित में सरकार कोई कदम उठाती है तो हमें उसके लिए भी खुद को तैयार रखना चाहिए.

जरूरत होने पर ही पेट्रोल-डीजल लेने जाएं- सीएम योगी

उन्होंने कहा कि पहले अगर किसी घर में एक सिलेंडर एक महीने चलता था, तो आज लोग पांचवे-छठे दिन ही सिलेंडर लेने क्यों पहुंच रहे हैं. मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि जब नंबर आएगा तो रजिस्ट्रेशन कराएं, रसोई गैस घर तक पहुंच जाएगी. प्रदेश सरकार ने सभी जिला प्रशासन को निर्देश दिए हैं कि पहले की तरह होम डिलीवरी की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

रिहंदेश्वर धाम में उमड़ी भक्तों की भारी भीड़

ब्यूरो रिपोर्ट-- स्नेहा जायसवाल

(बीजपुर) सोनभद्र। बीजपुर, एनटीपीसी परिसर में स्थित प्रसिद्ध रिहंदेश्वर धाम महादेव मंदिर में नवरात्रि एवं रामनवमी उत्सव बड़े हीं धूमधाम से मनाया गया। उन्नीस मार्च को कलश स्थापना के साथ प्रतिदिन सुबह चंडी पाठ एवं सायं श्री रामचरित मानस पाठ (नवाह परायण) विद्वान पंडितों के द्वारा किया गया। बीस मार्च को नवरात्रि एवं नववर्ष पर परिचर्चा का आयोजन किया गया; जिसमें अनेक श्रद्धालुओं एवं विद्वत जनों ने भाग लिया। 21 मार्च को स्थानीय कलाकारों द्वारा भव्य देवी जागरण किया गया। सैकड़ों की संख्या में भक्तजनों ने देवी जागरण में भाग लेते हुए भक्तिरस का आनंद लिया। 22 मार्च को मंदिर समिति ने विद्यार्थियों के लिए धार्मिक सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया जिसमें अलंकृत को प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ। 23 मार्च को श्रद्धालुओं द्वारा सामूहिक रूप से मंदिर परिसर में मंत्र जाप किया गया। 24 मार्च को भव्य रूप से सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया और भक्तों एवं श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरण किया गया। 25 मार्च को देवी स्तुति प्रतियोगिता में अनेक छात्र-छात्राओं एवं श्रद्धालुओं ने भाग लिया जिसमें डीएवी की छात्रा कशिश उपाध्याय को प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ। वैभव विश्वकर्मा ने वाद्ययंत्र बजाकर सबका मन मोह लिया। 26 मार्च को साहित्यिक अंताक्षरी प्रतियोगिता में रीतिका शुक्ला को प्रथम घोषित किया गया। 27 मार्च को प्रातः चंडी पाठ एवं श्रीरामचरितमानस पाठ के समापन के बाद हवन पूर्णाहुति, ध्वज पूजन तथा कन्या पूजन किया गया। नौ कन्याओं के पूजन के उपरांत लगभग सौ कन्याओं को भोजन कराया गया एवं दक्षिणा दिया गया। बारह बजे भय प्रकट कृपाला दीन दयाला भजन के साथ श्रीराम जन्मोत्सव मनाया गया। तदुपरांत सैकड़ों श्रद्धालुओं ने परियोजना प्रमुख संजय असाटी के साथ महाप्रसाद ग्रहण किया।

मंदिर समिति के अध्यक्ष संजीव खेड़ा, उपाध्यक्ष योगेश त्रिपाठी, उपमहाप्रबंधक निशांत कमल, राकेश राय, प्रमोद द्विवेदी, संजय कुमार के साथ मंदिर समिति के सभी सदस्यों ने इस कार्यक्रम को सफल बनाने में अहम योगदान दिया। इस कार्यक्रम में डीएवी के प्राचार्य राजकुमार के साथ सोनभद्र जिले के विभिन्न क्षेत्रों जैसे खड़िया से पधारे ए एम सिंह, संदीप कुमार, रॉबर्ट्सगंज के पवन कुमार, ओबरा से ऋचा वाजपेई, विनिता जायसवाल, प्रियंका शुक्ला, गुरूप्रीत कौर, रेणुकूट की सीमा सिंह आदि ने भी रिहंदेश्वर धाम महादेव मंदिर में दर्शन पूजन के साथ महाप्रसाद ग्रहण किया।

गैस एजेंसियां नहीं कर रहीं ऑनलाइन बुकिंग, कालाबाजारी जोरों पर: डॉ. हुसैन मोहसिन जैदी

इजरायल-ईरान युद्ध की अफवाहों का फायदा उठा रहे गैस माफिया, सीएम योगी के आदेशों की उड़ रही धज्जियां

लखनऊ पूर्व कांग्रेस नेता एवं सिविल डिफेंस के पूर्व सेक्टर वार्डेन डॉ. हुसैन मोहसिन जैदी ने गैस एजेंसियों की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान पर थोपे गए युद्ध के कारण पैदा हुई ईंधन की कमी की अफवाहों को गैस एजेंसियां ढाल बना रही हैं। इसी का फायदा उठाकर एजेंसियां काली कमाई में जुटी हैं।

होटलों और बाजारों में दोगुने दामों पर 'खेल'

डॉ. जैदी ने बताया कि गैस एजेंसियों के पास स्टॉक मौजूद है, लेकिन वे आम जनता को सिलेंडर देने के बजाय चोरी-छिपे होटलों और बाजारों में दोगुने से तिगुने दामों पर बेच रहे हैं। एक साधारण उपभोक्ता, जिसने पहले से बुकिंग करा रखी है, उसे घंटों लाइन में लगने के बाद खाली हाथ वापस भेज दिया जाता है। उन्हें यह कहकर टरकाया जा रहा है कि "माल आने पर मिलेगा", जबकि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ स्पष्ट कह चुके हैं कि प्रदेश में गैस की कोई कमी नहीं है।

प्रशासन और जिला पूर्ति ल अधिकारी दिखावे के लिए छापे मार रहे हैं, लेकिन मिलीभगत के कारण जमीनी स्तर पर कोई सुधार नहीं दिख रहा। डॉ. हुसैन मोहसिन जैदी

राधा ग्राम स्थित गीता गैस गोदाम पर गंभीर आरोप

ठाकुरगंज के राधा ग्राम स्थित गीता गैस गोदाम (इंडेन) का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि यहां गैस की भारी मारा-मारी है बुकिंग बंद पहले जो सिलेंडर ऑनलाइन बुक करने पर 2-3 दिन में घर पहुंच जाता था, अब उस एजेंसी ने ऑनलाइन बुकिंग ही बंद कर दी है फोन बंद गोदाम मालिक से लेकर कर्मचारी तक किसी का फोन नहीं उठ रहा है।ल कालाबाजारी सिलेंडर चोरी-छिपे ब्लैक में बेचे जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री से सख्त कार्रवाई की मांग

डॉ. हुसैन मोहसिन जैदी (समाज सेवक एवं पूर्व सेक्टर वार्डेन, सरफराजगंज) ने मुख्यमंत्री से मांग की है कि गैस एजेंसियों पर सख्ती से छापे मारे जाएं ताकि कालाबाजारी रुके बंद पड़ी ऑनलाइन बुकिंग को तुरंत बहाल कराया जाए अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाए ताकि जनता को असुविधा न हो।

कार्डियो सेवा फाउंडेशन ने कराया गरीब बिटिया का निकाह, फाउंडर डॉ. हस्साम अहमद की रही अहम भूमिका

बहाइच। समाज सेवा की मिसाल पेश करते हुए कार्डियो सेवा फाउंडेशन ने एक गरीब और जरूरतमंद बिटिया का निकाह सम्पन्न कराया। इस नेक कार्य में संस्था के फाउंडर डॉ. हस्साम अहमद की अहम भूमिका रही, जिन्होंने पूरी जिम्मेदारी उठाते हुए बेटी के निकाह को सफल बनाया।

बताया जा रहा है कि यह बिटिया अपनी माँ के साए से महरूम है और आर्थिक स्थिति भी बेहद कमजोर थी। ऐसे में संस्था ने आगे आकर न सिर्फ निकाह की व्यवस्था की, बल्कि जरूरी सामान और सहयोग भी उपलब्ध कराया।

निकाह के दौरान स्थानीय लोग और संस्था के सदस्य भी मौजूद रहे, जिन्होंने इस पहल की सराहना की। लोगों का कहना है कि इस तरह के कार्य समाज में इंसानियत और भाईचारे की मिसाल पेश करते हैं।

संस्था के फाउंडर डॉ. हस्साम अहमद ने कहा कि जरूरतमंदों की मदद करना ही उनका उद्देश्य है और आगे भी ऐसे सामाजिक कार्य जारी रहेंगे।

यह नेक पहल समाज के लिए एक प्रेरणा है, जो यह संदेश देती है कि अगर इरादा नेक हो तो हर मुश्किल आसान हो सकती है।

पीएनबी ने दिल्ली मेट्रो के साथ मिलकर पीएनबी सोल्जरथॉन 2026 के लिए मुफ्त सुबह की कनेक्टिविटी की पेशकश किया

येलो, ब्लू एवं वॉयलेट लाइनों पर सुबह की यात्रा के लिए तड़के तीन बजे से विशेष सुविधा

जेएलएन स्टेडियम पर रविवार 5 अप्रैल 2026 को सुबह 5 बजें से शुरूआत

तीन श्रेणियां: 21.1किमी (हाफ मैराथॉन), 10किमी और 5किमी

विजेताओं के दिए जाएंगे 19 लाख रुपए तक के नकद पुरस्कार

27 मार्च 2026: अपने 132वें स्थापना दिवस समारोह के अंग के रूप में, देश के अग्रणी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में से एक पंजाब नैशनल बैंक (पीएनबी) द्वारा रविवार, 5 अप्रैल 2026 को जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम, नई दिल्ली में पीएनबी सोल्जरथॉन दिल्ली 2026 का आयोजन किया जा रहा है।

प्रतिभागियों की सुविधा के लिए अपनी तरह की इस पहली पहल में सुबह की विशेष मेट्रो सेवा तड़के 3:00 बजे से हर 30 मिनट के अंतराल पर , येलो, ब्लू और वॉयलेट लाइनों की नियमित समय सारिणी शुरू होने तक चलेंगी। इससे धावक और अन्य प्रतिभागी सुबह 5:00 बजे होने वाले फ्लैग-ऑफ से पहले आसानी से कार्यक्रम स्थल तक पहुँच सकेंगे। इसके अतिरिक्त, अपनी बिब पहनने वाले प्रतिभागी एक बार आने-जाने के लिए मुफ्त यात्रा के पात्र होंगे।

पीएनबी सोल्जरथॉन के इस दूसरे संस्करण की थीम " पीएनबी सोल्जरथॉन 2026-रन विद सोल्जर्स, रन फॉर सोल्जर्स" है, जो भारतीय सशस्त्र बलों के साहस, बलिदान और अटूट प्रतिबद्धता के प्रति एक श्रद्धांजलि है। इस आयोजन का उद्देश्य नागरिकों, फिटनेस प्रेमियों और रक्षा समुदाय के सदस्यों को कृतज्ञता और एकजुटता की सामूहिक भावना के साथ एक मंच पर लाना है।

इस मैराथन में 21.1 किमी (हाफ मैराथन), 10 किमी और 5 किमी रन सहित कई दौड़ श्रेणियाँ शामिल होंगी, जो सभी आयु समूहों और फिटनेस स्तरों के लोगों को भागीदारी के लिए प्रोत्साहित करेंगी, साथ ही एकता, जुझारूपन और राष्ट्रीय गौरव की भावना को बढ़ावा मिलेगा।

इस पहल के बारे में बात करते हुए श्री दीपक कुमार, महाप्रबंधक, पीआर एवं सीसीडी, पीएनबी ने कहा, " पीएनबी सोल्जरथॉन 2026 केवल एक दौड़ नहीं है, बल्कि यह एक आंदोलन है जो राष्ट्र निर्माण और सामुदायिक जुड़ाव के प्रति बैंक की स्थायी प्रतिबद्धता को मजबूत करता है। सशस्त्र बलों के कर्मियों की उपस्थिति इस आयोजन के महत्व को और बढ़ाएगी, जिससे यह उन लोगों को सम्मानित करने का एक सार्थक मंच बन जाएगा जो निस्वार्थ भाव से राष्ट्र की सेवा करते हैं।"

चन्द्रपुरी में भागवत कथा से हो रहा वातावरण भक्तिमय : 30 मार्च को सभी भक्तों के लिए आयोजित होगा भंडारा

मथुरा (जीएनएस)।

महानगर की चन्द्रपुरी कॉलोनी में चल रही सात दिवसीय भागवत कथा ने पूरे क्षेत्र का वातावरण भक्तिमय कर दिया है। भागवत कथा में कॉलोनी के लोग भारी संख्या में पहुंच कर भागवत कथा का श्रवण कर रहे हैं। जानकारी के अनुसार चन्द्रपुरी कॉलोनी स्थित राधारानी गड्डे वाले पार्क में 23 मार्च से भागवत कथा प्रारंभ हुई है। दोपहर 2 बजे आयोजन स्थल पर भक्तों का तांता लग जाता है। श्रीधाम वृंदावन की भागवत वक्ता श्रीकृष्णप्रिया उपाध्याय अपने मुखारबिंद से भक्तों को भागवत कथा का श्रवण करा रही हैं। भागवत कथा के प्रथम दिवस पर भागवत वक्ता ने भागवत महात्मय की कथा सुनाई और दूसरे दिन महाभारत प्रसंग, द्रौपदी चीर हरण की कथा और शुकदेव जी की कथा का रसपान कराया तथा तीसरे दिन कपिल देवहूति संवाद, सती चरित्र की कथा और वामन पूजा का भक्तों को रसपान कराया। इसीक्रम में चतुर्थ दिवस पर संक्षिप्त में पुरी रामकथा और श्रीकृष्ण जन्मोत्सव की कथा का श्रवण कराया। वहीं पांचवें दिवस पर भागवत वक्ता ने पूतना वध, माखन चोरी लीला, ऊखल बंधन लीला, भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं का वर्णन किया। इसके बाद गोवर्धन पूजा की तो पूरे क्षेत्र में भक्ति का रस बरसने लगा। भागवत कथा का आयोजन, चन्द्रपुरी कॉलोनी के समस्त नागरिक करा रहे हैं। वहीं भागवत कथा में यजमान, निरंजन सिंह एडवोकेट हैं तो वहीं शास्त्री चन्द्रप्रकाश उपाध्याय व्यवस्था संभाल रहे हैं। इस संबंध भागवत कथा के यजमान निरंजन सिंह एडवोकेट ने बताया कि भागवत का समापन 29 मार्च को होगा तथा 30 मार्च को भंडारा किया जाएगा। उन्होंने समस्त क्षेत्रवासी और प्रभु प्रेमियों से भंडारे में प्रसाद ग्रहण करने का आग्रह किया है।

जनसुनवाई में मिल्कीपुर विधायक चंद्रभानु पासवान ने सुनीं लोगों की समस्याएं

अयोध्या।

मिल्कीपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक चंद्रभानु पासवान ने शुक्रवार को परसौली स्थित अपने आवास पर जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित किया। इस दौरान क्षेत्र के विभिन्न गांवों से बड़ी संख्या में पहुंचे लोगों ने अपनी समस्याएं और शिकायतें विधायक के समक्ष रखीं। विधायक ने सभी फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और उनके समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

जनसुनवाई के दौरान राजस्व, बिजली, सड़क, पेयजल, पुलिस और अन्य विकास कार्यों से जुड़ी कई समस्याएं सामने आईं। विधायक चंद्रभानु पासवान ने कई मामलों में मौके पर ही संबंधित अधिकारियों से फोन पर बात कर त्वरित निस्तारण कराने का प्रयास किया, जबकि अन्य समस्याओं के समाधान के लिए संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए।

विधायक ने कहा कि जनता-जनार्दन की सेवा ही उनकी प्राथमिकता है और क्षेत्र की जनता की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना उनका उद्देश्य है।

उन्होंने अधिकारियों से भी अपेक्षा जताई कि जनसमस्याओं के समाधान में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए और जनता की शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। विधायक ने भरोसा दिलाया कि क्षेत्र के विकास और जनता की सुविधाओं के लिए वे लगातार प्रयासरत हैं।

जनसुनवाई कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र के कई गणमान्य लोग और स्थानीय नागरिक भी उपस्थित रहे।

भगवान श्रीराम मय हुआ वृन्दावन चंद्रोदय मंदिर : श्रीश्री राधा वृन्दावन चंद्र का 20-वां पक्टयोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया

मथुरा (जीएनएस)।

चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की नवमीं तिथि के पावन अवसर पर मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के अवतरण दिवस (राम नवमीं) को वृंदावन चंद्रोदय मंदिर के भक्तों द्वारा श्रीश्री राधा वृंदावन चंद्र के 20-वें पाटोत्सव को अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और हर्षोल्लास के साथ मनाया। जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता की। मंदिर परिसर को भव्य पुष्प सज्जा से अलंकृत किया गया, जहां सुसज्जित फूल बंगला भक्तों के आकर्षण का केंद्र बना रहा। इस अवसर पर श्रीविग्रहों का वैदिक मंत्रोच्चारण के मध्य महाभिषेक किया गया। इस अवसर पर भगवान को 56 प्रकार के दिव्य भोग अर्पित किए गए। इसके साथ ही श्रीराम तारक यज्ञ, हरिनाम संकीर्तन एवं महाआरती का दिव्य एवं भव्य आयोजन किया गया, जिससे संपूर्ण वातावरण भक्तिमय हो उठा। इस अवसर पर चंद्रोदय मंदिर के अध्यक्ष श्री चंचलापति दास ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए रामचरितमानस का संदर्भ देते हुए कहा कि भगवान राम-कृष्ण दोऊ एक हैं, अंतर नहीं निमेष। उनके नयन गंभीर हैं, इनके चपल विशेष। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम और भगवान श्रीकृष्ण में कोई वास्तविक भेद नहीं है। भगवान श्रीराम मयार्दा पुरुषोत्तम के रूप में धर्म, सत्य, करुणा और कर्तव्यपालन के आदर्श प्रस्तुत करते हैं, जबकि भगवान श्रीकृष्ण लीला पुरुषोत्तम के रूप में प्रेम, आनंद और दिव्य लीलाओं के माध्यम से भक्तों का मार्गदर्शन करते हैं। आध्यात्मिक दृष्टि से दोनों एक ही परम तत्व के भिन्न-भिन्न स्वरूप हैं। उत्सव के दौरान श्रद्धालुओं ने भक्ति, सेवा और समर्पण भाव के साथ भाग लिया। श्रीराम नाम के संकीर्तन से पूरा मंदिर परिसर गुंजायमान रहा। इस अवसर पर मथुरा, आगरा, लखनऊ, दिल्ली, नोएडा, जयपुर, भरतपुर आदि विभिन्न शहरों से बड़ी संख्या में भक्त एवं श्रद्धालु मंदिर पहुंचे और उत्सव का लाभ प्राप्त किया।

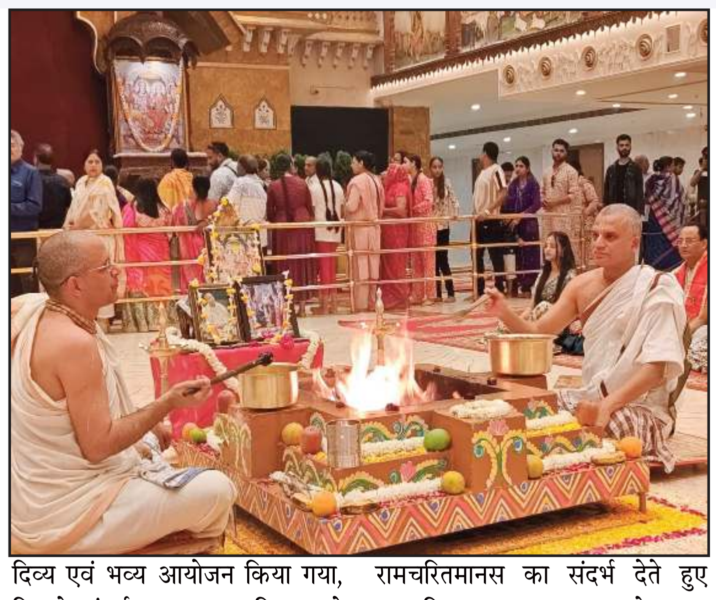

पुरानी रंजिश को लेकर दो पक्षों में मारपीट

(जीएनएस)।

खखरेरू। थाना क्षेत्र के बैरी गांव में पुरानी रंजिश को लेकर दो पक्षों में गुरुवार को विवाद के बाद मारपीट हो गई। पीड़िता ने इसकी शिकायत थाने में की है। थाना क्षेत्र के बैरी गांव में अजय की पत्नी संगीता देवी ने पुलिस तहरीर में बताया कि वह गुरुवार शाम अपने घर जा रही थीं, इस दौरान गांव की एक महिला उनसे गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर आक्रोशित गांव के मोनू, धौकल, अजीत तथा एक अन्य महिला ने मिलकर लाठी-डंडों से मरना-पीटना शुरू कर दिया। मारपीट की आवाज सुनकर बीच-बचाव करने करने पहुंचे पुत्र को भी उक्त आरोपियों ने बुरी तरह से पीट दिया, जिससे वह लहूलुहान हो गया। घटना के बाद सभी आरोपी गाली-गलौज करते हुए मौके से फरार हो गए। ग्रामीणों की मदद से घायल युवक को नजदीक के स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया, जहां उसका उपचार जारी है। थाना प्रभारी विद्या प्रकाश सिंह ने बताया कि मामले में तहरीर प्राप्त हो गई है। आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

श्रीदेवी असहाय सेवा संस्थान ने सरस्वती कुंड पर किया शतचंडी पाठ : सैंकड़ों कन्या और लांगुरा को प्रसाद ग्रहण कराके उपहार किए भेंट

मथुरा (जीएनएस)।

श्रीदेवी असहाय सेवा संस्थान के तत्वाधान में सरस्वती कुंड के निकट मां दुर्गा मंदिर में नवरात्रि पर्व पर शतचंडी पाठ का आयोजन किया गया। जिसमें श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया। दुर्गा नवमीं एवं राम जन्मोत्सव पर पूज्य स्वामी महेशानंद सरस्वती (वृंदावन) के सानिध्य में शतचंडी महायज्ञ के हवन में मां भगवती के भक्तों ने पूर्ण आहुति दी। इसके बाद पुजारी द्वारा देवी मां की महाआरती की गई। महाआरती के उपरांत कन्याओं-लांगुरिया का पूजन कर करीब 3 सौ 50 बच्चों को प्रसाद

ग्रहण कराके उपहार भेंट किए। कार्यक्रम के अंत में महिलाओं द्वारा भजन कीर्तन किया गया। जिसमें महिलाओ द्वारा बड़ा प्यारा सजा है तेरा द्वार भवानी, सबसे बड़ा तेरा नाम है शेरावाली, शक्ति दे मां भक्ति दे मां आदि भजनों की प्रस्तुति दी गई। जिसमें उपस्थित भक्तगण नृत्य करने पर मजबूर हो गए। इस अवसर पर मुख्य रूप से श्रीदेवी असहाय सेवा संस्थान के सचिव सुरेश कुशवाह, उषा कुशवाह (अध्यक्षा), स्वामी चंदन सिंह प्रेमी (राष्ट्रीय संरक्षक अ.भा.कु. महासभा, आगरा), ई. अजीत सिंह, डा. अविनाश सिंह, भगवान सिंह, सत्यप्रकाश लवानियां, रामजी लाल मिश्रा, अंकित सिंह, जया सिंह, दिव्या सिंह और कन्हैया आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

लिवप्योर ने अयोध्या में अपना 'एक्सक्लूसिव ब्रांड आउटलेट' लॉन्च किया; उत्तर प्रदेश में रिटेल नेटवर्क का विस्तार

अयोध्या लॉन्च के साथ, लिवप्योर ने उन तेजी से बढ़ते गैर-महानगर बाजारों में अपनी पकड़ मजबूत की है, जहाँ खरीदारी के फैसले में 'प्रोडक्ट को खुद इस्तेमाल करके देखना' सबसे महत्वपूर्ण होता है।

अयोध्या, उत्तर प्रदेश, 27 मार्च 2026: भारत के सबसे भरोसेमंद और ग्राहकों की सेहत के प्रति समर्पित ब्रांड्स में से एक, लिवप्योर ने आज उत्तर प्रदेश के अयोध्या में अपना नया 'एक्सक्लूसिव ब्रांड आउटलेट' खोलने की घोषणा की है। यह पूरे राज्य में ब्रांड के जारी विस्तार में एक बड़ा पड़ाव है। 'एक्सपीरियंस-फर्स्ट' सोच के साथ तैयार यह आउटलेट लिवप्योर के स्मार्ट और सेहत पर केंद्रित होम सॉल्यूशंस को ग्राहकों के और करीब लाता है, जहाँ वे विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में इन प्रोडक्ट्स को गहराई से समझ सकते हैं।

अयोध्या में इस स्टोर का खुलना उभरते और उच्च क्षमता वाले बाजारों में अपनी भौतिक मौजूदगी बढ़ाने की लिवप्योर की व्यापक रणनीति का हिस्सा है। नया आउटलेट ग्राहकों को लिवप्योर के सेहत से जुड़े नवाचारों जैसे वॉटर प्यूरीफिकेशन, किचन अप्लायंसेज और एयर सॉल्यूशंस का खुद अनुभव लेने का मौका देता है।पहले से संचालित कई आउटलेट्स की सफलता को आगे बढ़ाते हुए, लिवप्योर पारदर्शी बातचीत, व्यक्तिगत प्रदर्शन और बेहतर इन-स्टोर अनुभव के जरिए ग्राहकों का भरोसा मजबूत करने पर ध्यान दे रहा है।

इस विस्तार पर बात करते हुए लिवप्योर के प्रबंध निदेशक, श्री राकेश कौल ने कहा, "अयोध्या में हमारे एक्सक्लूसिव ब्रांड आउटलेट का शुभारंभ उत्तर प्रदेश में लिवप्योर के विस्तार की दिशा में एक बड़ा कदम है। अयोध्या जैसे शहरों में अब लोग उन होम सॉल्यूशंस को प्राथमिकता दे रहे हैं जो बेहतरीन परफॉर्मेंस देते हैं। यहाँ परिवार खरीदारी से पहले प्रोडक्ट्स को देखने, महसूस करने और समझने को महत्व देते हैं। हमारे आउटलेट्स इसी जरूरत को पूरा करने के लिए बनाए गए हैं, जहाँ तकनीक, नवाचार और विश्वास का एक बेहतरीन संगम मिलता है। यह स्टोर सिर्फ एक रिटेल स्पेस नहीं है, बल्कि यह इस क्षेत्र के परिवारों को सही जानकारी के साथ फैसले लेने और एक स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए सशक्त बनाने का एक मंच है।"

तकनीक आधारित वेलनेस पर केंद्रित यह आउटलेट ब्रांड के सबसे आधुनिक और 'हाई-परफॉर्मेंस' नवाचारों को प्रदर्शित करता है। यहाँ अक्ङ्ग्ळ-इनेबल्ड सॉल्यूशंस उपलब्ध हैं, जिनमें लिवप्योर की '2 फिल्टर लाइफ' वॉटर प्यूरीफायर रेंज, मेंटेनेंस-फ्री प्यूरीफायर, वॉयस-इनेबल्ड चिमनी और स्मार्ट ऊर्जा-कुशल उपकरणों का पूरा पोर्टफोलियो शामिल है। 'सस्टेनेबल' और भविष्य के अनुकूल जीवन पर आधारित यह आउटलेट लाइव प्रोडक्ट डेमो की सुविधा भी देता है, जहाँ विशेषज्ञ ग्राहकों को सही चुनाव करने में मदद करते हैं।

जैसा कि 'फिजिकल रिटेल' ग्राहकों का भरोसा जीतने में आज भी बड़ी भूमिका निभाता है, लिवप्योर पूरे भारत में अपने रिटेल विस्तार को और तेज करने की योजना बना रहा है। कंपनी ने अगले वित्त वर्ष तक प्रमुख बाजारों में 100 एक्सक्लूसिव ब्रांड आउटलेट खोलने का लक्ष्य रखा है, ताकि इसके वेलनेस इकोसिस्टम का लाभ ज्यादा से ज्यादा भारतीय घरों तक पहुँच सके।

हिंडालको रेनुसागर में भगवान श्रीराम एवं जी.डी. बिड़ला का जन्मोत्सव हर्षोल्लास के साथ मना।

जीडी बिरला उद्योगपति ही नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण के महान शिल्पकार भी थे --- आर पी सिंह

(जीएनएस)।

रेणुसागर (सोनभद्र)। अनपरा हिंडालको इडस्ट्रीज लिमिटेड रेनुपावर डिवीजन, रेनुसागर के तत्वाधान में सुमंगलम भवन रेनुसागर में मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम एवं उद्योग जगत के महान व्यक्तित्व घनश्याम दास बिड़ला का जन्मोत्सव बड़े ही धूमधाम एवं श्रद्धा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर हिन्डाल्को रेनुसागर के यूनिट हेड आर पी सिंह, मनीष जैन, मनु अरोरा, विभु पात्रा, कुमार हर्षवर्धन, अरविंद सिंह, संदीप यावले, सुधाकर अन्नामलाई ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन कर भगवान श्रीराम, पवन पुत्र हनुमान एवं जी.डी. बिड़ला के चित्रों पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। तत्पश्चात आयोजित

कार्यक्रम में सोहर, भक्ति गीत, सांस्कृतिक कार्यक्रम ने दर्शन दीर्घा में बैठे भारी संख्या में लोगों को मंत्र मुग्ध कर दिया। कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुये हिन्डाल्को रेनुसागर के यूनिट हेड आर पी सिंह ने भगवान श्रीराम के मर्यादित जीवन, सत्यनिष्ठा एवं आदर्श आचरण पर प्रकाश डालते हुए कहा कि श्रीराम ने हर परिस्थिति में धर्म का पालन किया और अपने आचरण से यह सिद्ध किया कि कर्तव्यनिष्ठा ही जीवन का सर्वोच्च मूल्य है। यूनिट हेड आर पी सिंह ने कहा कि पद्म विभूषण से सम्मानित महान उद्योग पति जीडी बिरला जी एक सफल उद्योगपति ही नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण के महान शिल्पकार भी थे। उन्होंने भारतीय उद्योग को नई दिशा दी और स्वदेशी के सिद्धांत को मजबूत आधार प्रदान किया। बिरला जी सदैव नैतिकता, ईमानदारी एवं समाज सेवा को अपने जीवन का मूल मंत्र बनाया। कार्यक्रम का समापन प्रसाद वितरण के पश्चात धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुई। इस अवसर पर सदानन्द पांडेय रोहित सक्सेना, रमेश बर्मा, देवेन्द्र त्रिपाठी सहित भारी संख्या में कर्मचारी एवं मान्यता श्रम संगठनों के पदाधिकारी ने महा पुरुषों के आदर्शों एवं जीवन मूल्यों को आत्मसात करने का संकल्प लिया।कार्यक्रम का सफल संचालन सदानन्द पांडेय ने की।

गुजरात साइंस सिटी में 27 से 29 मार्च तक 'साइंस कार्निवल 2026' का भव्य आयोजन

लखनऊ, 27 मार्च 2026: गुजरात काउंसिल ऑफ साइंस सिटी द्वारा वर्ष 2007 से राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का बड़े स्तर पर आयोजन किया जा रहा है, जिसमें विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं वैज्ञानिक संस्थाओं की सक्रिय भागीदारी रहती है। इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए गुजरात काउंसिल ऑफ साइंस सिटी द्वारा गुजरात साइंस सिटी में 27 से 29 मार्च 2026 तक तीन दिवसीय 'साइंस कार्निवल 2026' का आयोजन किया जा रहा है।

इस साइंस कार्निवल के दौरान विद्यार्थियों एवं आम जनता के लिए विभिन्न वैज्ञानिक एवं रोचक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। मुख्य आकर्षण निम्नलिखित हैं: विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी प्रदर्शनी ,वैज्ञानिक कार्यशालाएं , लोकप्रिय विज्ञान व्याख्यान,हैंड्स-ऑन प्रयोग एवं गतिविधियां ,साइंस क्विज, ड्रोन शो (क्टअ पार्किंग में) ,साइंस ड्रामा (विज्ञान भवन में), नाइट स्काई ऑब्जर्वेशन , हॉल ऑफ फेम प्रदर्शनी , 3ऊ रंगोली, वैज्ञानिक फिल्मों का प्रदर्शन इस कार्यक्रम में लगभग 50,000 से अधिक लोगों के शामिल होने की संभावना है, जिनमें राज्य एवं देशभर के विद्यार्थी, शिक्षक, वैज्ञानिक, इनोवेटर्स तथा मीडिया प्रतिनिधि शामिल होंगे।

गुजरात काउंसिल ऑफ साइंस सिटी द्वारा देशभर की लगभग 100 वैज्ञानिक संस्थाओं एवं इनोवेटर्स को इस प्रदर्शनी में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया है।

यह आयोजन साइंस सिटी के विभिन्न स्थलों जैसे विज्ञान भवन, साइंस डोम, एम्फीथिएटर तथा ऑडिटोरियम क एवं क्क में आयोजित किया जाएगा।

इस भव्य आयोजन का मुख्य उद्देश्य सभी आयु वर्ग के लोगों में विज्ञान के प्रति रुचि जागृत करना, नवाचार को प्रोत्साहित करना तथा वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकास करना है।

केएम विश्वविद्यालय : भव्य शास्त्रीय संगीत कार्यक्रम में गायिका सुनंदा ने बांधा समां

-ध्यान केन्द्रित करने से तन, मन के साथ शरीर हो जाता है तरोताजा : सुनंदा शर्मा

-कुलसचिव ने प्रख्यात शास्त्रीय संगीत गायिका के जीवन चरित्र के बारे में छात्र-छात्राओं को बताया

मथुरा (जीएनएस)। केएम विश्वविद्यालय में दुर्गा शास्त्रीय संगीत की सुरमयी महफिल सजी। जिसका शुभारंभ मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष के प्रतिनिधि देवी सिंह (डीएम), भारतीय शास्त्रीय गायन की दिग्गज और पदम विभूषण से सम्मानित डा. विदुषी गिरिजा देवी की शिष्या सुनंदा शर्मा, विवि के कुलपति डा. एनसी प्रजापति, कुलसचिव डा. पूरन सिंह, परीक्षा नियंत्रक समीक्षा भारद्वाज और मेडीकल प्राचार्य डा. पीएन भिसे ने संयुक्त रूप से ज्ञान व संगीत की अधिष्ठात्री देवी सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्जवलित करके किया। कार्यक्रम का संचालन करते हुए विवि के रजिस्ट्रार पूरन सिंह ने शास्त्रीय संगीत की प्रख्यात गायिका सुनंदा शर्मा के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हिमाचल प्रदेश के पठानकोट के पास स्थित गांव दाह के शांत वातावरण में उनका जन्म हुआ और पांच वर्ष की आयु में अपने पिता पंडित सुदर्शन शर्मा के मार्गदर्शन में संगीत का प्रशिक्षण शुरू किया। संगीत में स्नातक करते हुए पंजाब विश्वविद्यालय से भारतीय शास्त्रीय गायन में स्वर्ण पदक के साथ मास्टर की उपाधि प्राप्त की। हरिवल्लभ संगीत सम्मेलन में उनकी प्रतिभा को देखकर पदम विभूषण से सम्मानित डा. विदुषी गिरिजा देवी ने उन्हें शिष्या के रूप में स्वीकार किया और उन्हें पंडित किशन महाराज और उस्ताद बिस्मिल्लाह खांन जैसे दिग्गजों का आशीर्वाद प्राप्त हुआ। सुनंदा शर्मा 9 वर्षों तक बनारस और कोलकाता में अपनी गुरु के साथ रहीं और संगीत की उन बारीकियों को आत्मसात किया जो आज उनके गायन की पहचान बन चुकी हैं। हालांकि उनकी मुख्य विशेषज्ञता "ख्याल", "टप्पा", "ठुमरी", "दादरा" और "चैती" गायन में है, लेकिन उन्होंने पंजाब और हिमाचल की लोक-परंपराओं, भक्ति संगीत और विभिन्न संस्कृतियों के मेल से बनी संगीत-शैलियों को भी अपनाया है। उन्होंने कई प्रतिष्ठित संगीत समारोहों में अपनी प्रस्तुतियां दी हैं, जिनमें तानसेन संगीत सम्मेलन, सप्तक महोत्सव, ठुमरी महोत्सव और 'स्पिक मैके के

कार्यक्रम शामिल हैं। इसके अलावा, उन्होंने लंदन, पेरिस, ब्रसेल्स, दक्षिण अफ्रीका, दक्षिण कोरिया और इटली जैसे देशों के अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भी अपनी कला का प्रदर्शन किया है। गायिका के जीवन वक्तत्व को सुनकर तालियों की गड़गड़ाहट के बीच सुनंदा शर्मा ने सभागार में मौजूद सभी को नमस्कार करके संबोधन किया, उन्होंने कहा गुरु गिरिजा देवी के साथ रहना केवल संगीत सीखना ही नहीं था, बल्कि यह जीवन जीने का एक सलीका सीखना था, उन्होंने संगीत के हर सुर में अनुशासन के साथ-साथ भाव भी होना चाहिए। उन्होंने विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं से कहा कि शिक्षा हो या किसी भी मैदान में ध्यान होना अहम बात है, ध्यान केन्द्रित करने से तन, मन के साथ शरीर भी ताजा हो जाता है, उन्हीं में से एक क्षण संगीत सुनना भी है। कहा कि आपकी शिक्षा यात्रा में जिम्मेदारी है, जिसमें ड्रिप्रेशन होना संभव है, जिसे संगीत दूर कर सकता है, संगीत ईश्वर की देन है। प्रख्यात गायिका सुनंदा शर्मा ने स्वर विस्तार और तानों की सधी हुई प्रस्तुती देते हुए देशी राग, भजन में पायौ जी मैंने (राम भजन) और रघुपति राघव राजा राम के भजनों का रसापान कराया। राग में श्रृंगार और विरह के भावों का सुंदर संगम देखने को मिला। गायिका ने राग की प्रकृति के अनुरूप भावों का संतुलित संप्रेषण किया, जिस पर सभागार तालियों से गूंज उठा। सुनंदा शर्मा ने अपनी प्रभावशाली प्रस्तुती से श्रोताओं को मंत्रमग्ध कर दिया और भक्ति के रंगों से सराबोर कर दिया। इस मौके पर हारमोनियम पर पंडित सुमित मिश्रा, तबले पर पंडित गोपाल मिश्रा की संगत ने प्रस्तुति को सशक्त आधार दिया। कार्यक्रम के अंत में केएम विश्वविद्यालय के कुलपत और कुलसचिव ने प्रसिद्ध गायिका सुनंदा शर्मा को सम्मानित किया और उन्हें पारंपरिक अंगवस्त्र तथा स्मृति चिन्ह भेंट किए। विवि के कुलपति डा. एनसी प्रजापति ने कहा कि भारतीय शास्त्रीय संगीत की समृद्ध परंपराओं को संरक्षित करने का यह प्रयास है, ऐसे आयोजन हमारी संस्कृति की कालजयी विरासत के और करीब लाने का प्रयास है, ऐसे आयोजन विश्वविद्यालय में भविष्य में भी होते रहेंगे, जिससे छात्र-छात्राएं भारतीय संस्कृति को जान सकें। इस दौरान कार्यक्रम में स्पिक मैके की शैफाली मल्होत्रा, केएम पशु चिकित्सालय के डीन डा. अजय प्रकाश, एसोसिएट डीन डा. पीताम्बर सिंह, प्रोफेसर डा. अशोक कुमार, खेल निदेशक आरके शर्मा और डिप्टी रजिस्ट्रार सुनील अग्रवाल समेत विवि के सभी संकायों के डीन-प्रोफेसर सहित सैकड़ों की संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहीं।

राष्ट्रीय सीमेंट एवं भवन सामग्री परिषद ने निर्माण क्षेत्र में कौशल विकास और क्षमता निर्माण को सुदृढ़ करने हेतु समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

(जीएनएस)।

भारत के निर्माण क्षेत्र में कौशल विकास और क्षमता निर्माण को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, राष्ट्रीय सीमेंट एवं भवन सामग्री परिषद (एनसीबी) ने एक प्रमुख सीमेंट निमार्ता के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए।

एनसीबी महानिदेशक डॉ. एल. पी. सिंह और अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड में तकनीकी सेवा प्रमुख अभियंता राहुल गोयल ने आज एनसीबी, बल्लभगढ़ में इस समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

इस मौके पर बोलते हुए एनसीबी महानिदेशक डॉ. एल. पी. सिंह ने कहा कि इस सहयोग से निर्माण क्षेत्र में क्षमता निर्माण में योगदान की उम्मीद है। उन्होंने भरोसा जताया कि

इस पहल के अंतर्गत अगले 3-5 वर्ष में बड़ी संख्या में पेशेवरों और श्रमिकों को प्रशिक्षित किया जाएगा।

इस साझेदारी का मुख्य उद्देश्य देश भर में सुनियोजित प्रशिक्षण और प्रमाणन कार्यक्रम आयोजित करना है, जिनका लक्ष्य सिविल अभियंताओं, रेडी-मिक्स कंक्रीट (आरएमसी) विशेषज्ञों, ठेकेदारों, निर्माण श्रमिकों और राजमिस्त्रियों की क्षमता का निर्माण करना है। प्रशिक्षण में सामग्री की गुणवत्ता परीक्षण, कंक्रीट मिश्रण का अनुपात निर्धारण, संपोषण और निरंतर निर्माण पद्धतियों जैसे प्रमुख क्षेत्रों को शामिल किया जाएगा।

इस पहल में कार्यशालाएं, साइट प्रदर्शन, तकनीकी सेमिनार और संयंत्रों तथा आरएमसी सुविधाओं के प्रदर्शन दौरे भी शामिल होंगे, जिनका उद्देश्य व्यावहारिक समझ और तकनीकी कौशल को बेहतर करना है।

भारत सरकार के प्रमुख कार्यक्रमों, जिनमें स्किल इंडिया मिशन भी शामिल है, के अनुरूप यह सहयोग देश के बढ़ते बुनियादी ढांचे और आवास क्षेत्रों की जरूरतों को पूरा करने में सक्षम कुशल कार्यबल के विकास में सहायक होने की उम्मीद है।

रक्षा मंत्रालय ने तुंगुस्का वायु रक्षा मिसाइल प्रणाली और पी8आई विमान के डिपो स्तरीय निरीक्षण के लिए 858 करोड़ रुपये के अनुबंध पर हस्ताक्षर किए

(जीएनएस)।

रक्षा मंत्रालय ने तुंगुस्का वायु रक्षा मिसाइल प्रणाली की खरीद और पी8आई दीर्घ-श्रेणी समुद्री टोही विमान के निरीक्षण (डिपो स्तर) के लिए कुल 858 करोड़ रुपये के अनुबंधों पर हस्ताक्षर किए हैं। इन अनुबंधों पर 27 मार्च, 2026 को नई दिल्ली स्थित कर्तव्य भवन-2 में हस्ताक्षर किए गए।

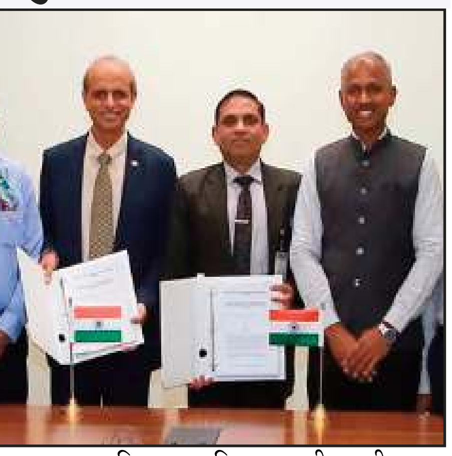

तुंगुस्का वायु रक्षा मिसाइल प्रणाली

भारतीय सेना के लिए रूस की जेएससी रोसोबोरोनएक्सपोर्ट के साथ 445 करोड़ रुपये के तुंगुस्का वायु रक्षा मिसाइल सिस्टम की खरीद का अनुबंध पर रक्षा सचिव श्री राजेश कुमार सिंह की उपस्थिति में हस्ताक्षरित किये गये। ये अत्याधुनिक मिसाइलें विमान, ड्रोन और क्रूज मिसाइलों सहित हवाई खतरों से लड़ने के लिए भारत की बहुस्तरीय वायु रक्षा क्षमताओं को बढ़ाएंगी। यह समझौता भारत-रूस रणनीतिक रक्षा साझेदारी को और मजबूत करेगा।

ढ8आई विमान का निरीक्षण

भारतीय नौसेना के लिए शत-प्रतिशत स्वदेशी सामग्री के साथ ढ8आई दीर्घ-श्रेणी समुद्री टोही विमान के निरीक्षण (डिपो स्तर) हेतु 413 करोड़ रुपये के अनुबंध पर बोइंग की पूर्ण स्वामित्व वाली भारतीय सहायक कंपनी बोइंग इंडिया डिफेंस प्राइवेट लिमिटेड के साथ हस्ताक्षर किए गए। यह अनुबंध बोइंग की पूर्ण स्वामित्व वाली भारतीय सहायक कंपनी है।

बच्ची ने जब सीएम योगी को भेंट किया 'बुलडोजर': मुख्यमंत्री ने मासूम को किया दुलार, खिंचवाई फोटो, कही ये बात

(जीएनएस)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन किया। उन्होंने विभिन्न जिलों से आए लोगों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान पांच वर्षीय यशस्विनी ने मुख्यमंत्री को खिलौने वाला बुलडोजर भेंट किया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर प्रवास के दौरान लगातार दूसरे दिन शुक्रवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में विभिन्न जिलों से आए लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान कमजोर वर्ग के लोगों को कुछ दबंगों द्वारा डराने, धमकाने की शिकायत पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुलिस अधिकारियों को दो टूक में निर्देशित किया, 'गुंडागर्दी करने वालों को उठाकर बंद करो।' उन्होंने कहा कि किसी मुकदमे में यदि कोई अभियुक्त जमानत पर छूटने के बाद वादी को धमका रहा हो तो जमानत निरस्त कराने की कार्रवाई की जाए। इस दौरान कानपुर की रहने वाली पांच वर्षीय यशस्विनी ने गोरखनाथ मंदिर परिसर में प्रातः भ्रमण के दौरान मुख्यमंत्री को खिलौने वाला बुलडोजर दिया।

मुलाकात के बाद पत्रकारों ने जब बच्ची से पूछा कि मुख्यमंत्री ने आपको क्या दिया तो बच्ची ने बताया कि सीएम ने उसे चॉकलेट दी है। जो खिलौना बच्ची ने दिया था सीएम ने उसे लेने के बाद हंसते हुए वापस लौटा दिया। बच्ची ने बताया कि

सीएम ने उससे कहा कि खूब पढ़ाई करना और बुलडोजर से खेलना।